News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-08
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार, 12 अप्रैल 2024

माता कुष्मांडा
या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

आज तीसरी बार सहारनपुर पहुचेंगे यूपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

राजपूतों की नाराजगी भाजपा के लिए परेशानी

सहारनपुर, राजपूतों में भाजपा के प्रति नाराजगी के बीच उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 दिन में तीसरी बार 12 अप्रैल को सहारनपुर जनपद के राजपूत बहुल क्षेत्र बड़गांव में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंच रहे है। बता दे कि राजपूत समाज टिकट वितरण में अपने समाज की अनदेखी और अन्य कई कारणों से भाजपा से नाराज चल रहा है। जिसके चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के रणनीतिकारों की मांग पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले एक पखवाड़े के दौरान तीसरी बार 12 अप्रैल को सहारनपुर जनपद के राजपूत बहुल क्षेत्र बड़गांव में चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए पहुंचेंगे। समय रहते राजपूतों की नाराजगी यदि दूर नहीं हो पाती है तो पहले चरण में 19 अप्रैल को होने वाली आठ में से कम से कम पांच सीटों पर भाजपा को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सहारनपुर मंडल में ही लोकसभा की तीन सीटें सहारनपुर, कैराना और मुजफ्फरनगर आती हैं। भाजपा के प्रबंधकों का कहना है कि राजपूतों की नाराजगी का असर कैराना और मुजफ्फरनगर सीटों पर ज्यादा और सहारनपुर सीट पर कम दिखता है।

सहारनपुर सीट पर राघव लखनपाल शर्मा भाजपा के तीसरी बार उम्मीदवार हैं हालांकि वह पिछला चुनाव बसपा-सपा गठबंधन के उम्मीदवार फजर्लुरहमान कुरैशी से हार गए थे। अबकी उनका मुख्य मुकाबला सपा-कांग्रेस गठबंधन के धाकड़ नेता इमरान मसूद से है। कैराना लोकसभा सीट पर राजपूतों ने सपा-कांग्रेस उम्मीदवार इकरा हसन को समर्थन दे दिया है। इस सीट पर बसपा ने नानौता क्षेत्र के दमदार राजपूत नेता श्रीपाल राणा को उम्मीदवार बनाया हैं। भाजपा के उम्मीदवार प्रदीप चौधरी पिछला चुनाव इकरा हसन की मां तबस्सुम हसन को हराकर जीते थे। प्रदीप चौधरी गुर्जर बिरादरी से हैं और उनकी क्षेत्र में बेदाग छवि है पर राजपूतों की नाराजगी उनकी परेशानी बढ़ाए हुए है। मुजफ्फरनगर सीट पर भाजपा के संजीव बालियान का यह लगातार तीसरा चुनाव है। पिछले चुनाव में उन्होंने चौधरी अजित सिंह को कड़े संघर्ष में करीब छह हजार वोटों के अंतर से पराजित किया था। संजीव बालियान 2014 में पहली बार भाजपा से सांसद निर्वाचित हुए थे। वह केंद्र सरकार में मंत्री हैं और जाटों के धाकड़ नेता हैं। राजपूतों की नाराजगी को देखते हुए कल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा और राजपूतों के नाराज नेता संगीत सोम के क्षेत्र सरधना में सभा को संबोधित किया था। उन्होंने अपनी एक ओर संजीव बालियान को और दूसरी ओर संगीत सोम को बैठाया था और दोनों को साथ रहने की नसीहत दी थी। सरधना के सपा विधायक अतुल प्रधान मेरठ से अपना टिकट घोषित होने के बाद कटने से नाराज हैं। अतुल प्रधान गुर्जर नेता हैं। उन्होंने पिछले चुनाव में संगीत सोम को पराजित किया था। समीक्षकों के मुताबिक भाजपा से राजपूतों की नाराजगी के चलते गुर्जर बिरादरी भाजपा के और करीब आती दिख रही है। सहारनपुर मंडल में सहारनपुर के पूर्व मंत्री और चार विधायक रहे डा. धर्म सिंह सैनी की नाराजगी भी भाजपा के लिए समस्या बनी हुई है। सहारनपुर और कैराना दोनों सीटों पर सैनियों की नाराजगी को दूर करने के प्रयासों में भी भाजपा छत्रप लगे हुए हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का समाज के सभी वर्गों में सम्मान और स्वीकार्यता है। योगी आदित्यनाथ सहारनपुर में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन कर चुके हैं। दूसरी बार वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सहारनपुर आए थे और अब तीसरी बार योगी आदित्यनाथ 12 अप्रैल को सहारनपुर के बड़गांव में दोपहर करीब डेढ़ बजे पहुंच रहे हैं।

उधमपुर में बोले पीएम मोदी, 'वीडियो दिखा-दिखाकर सावन-नवरात्र में मांसाहार खाते हैं, आखिर किसको खुश करना चाहते हैं'

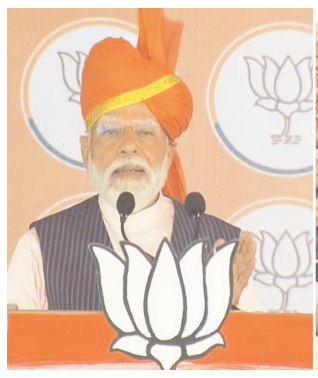

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में रैली को संबोधित किया। पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधा। बोले- हमारे लिए राम मंदिर कोई मुद्दा नहीं था, क्योंकि राम मंदिर के लिए तो तब से प्रयास चल रहा था, जब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। आखिर आप राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा निमंत्रण ठुकरा कर किसको खुश करना चाहते हो? नवरात्र और सावन में वीडियो दिखा-दिखाकर नॉनवेज क्यों खाते हो? पीएम मोदी ने कहा, यह सावन के मौसम में सजायाफ्ता के घर जाकर मटन बनाकर खाते हैं। कानून किसी को नहीं रोकता, मोदी भी नहीं रोकता, लेकिन आखिर क्या कारण है कि सावन के पवित्र महीने में मटर खाते हैं और वीडियो बनाकर लोगों को चिढ़ाने का काम करता हैं? आखिर आप किसको खुश करना चाहते हैं? लालू यादव के बेटे तेजस्वी का नाम लिए बगैर पीएम मोदी ने कहा, कुछ लोग नवरात्र में नॉनवेज खाते हैं और वीडियो बनाते हैं। मुगलों की सोच भी ऐसी थी। वे आक्रमण करते थे, तो जीतकर संतुष्टि नहीं मिलती थी। वे मंदिरों को तोड़ते थे, लोगों की आस्था पर वार करते थे और खुश होते थे। विपक्ष भी ऐसा ही कर रहा है।

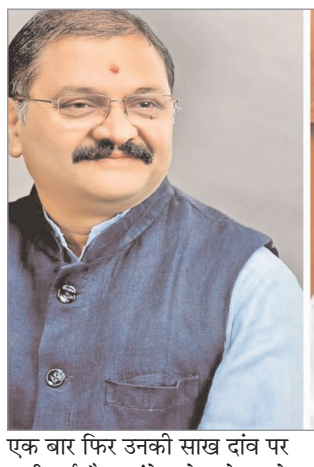

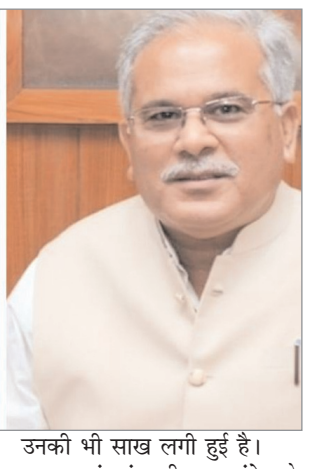

जनाधार के मोर्चे पर भूपेश बघेल की दूसरी अग्नि परीक्षा, भाजपा को अपना गढ़ बचाने की चुनौती

छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट पर इस बार रोचक मुकाबला होने वाला है। इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता भूपेश बघेल स्वयं चुनावी मैदान में हैं। जबकि भाजपा की ओर से मौजूदा सांसद संतोष पांडेय दोबारा जोर आजमाइश कर रहे हैं। भूपेश विधानसभा चुनाव में पाटन विधानसभा सीट से अपनी विधायकी बचाने में तो कामयाब रहे हैं पर अपनी सरकार नहीं बचा पाए हैं।अब एक बार फिर उनकी साख दांव पर लगी हुई है। कांग्रेस ने भूपेश को मैदान में इसलिए उतारा है कि प्रदेश में कांग्रेस की सीट का ग्राफ बढ़ाया जा सके। यह सीट भाजपा के लिए भी अहम है क्योंकि भाजपा नेता व छत्तीसगढ़ में तीन बार मुख्यमंत्री रहे डा. रमन सिंह भी इसी क्षेत्र से विधायक हैं। हालांकि रमन वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष होने के नाते सक्रिय राजनीति में प्रत्यक्ष सहभागी नहीं बन रहे हैं मगर उनकी भी साख लगी हुई है।अब एक बार फिर उनकी साख दांव पर लगी हुई है। कांग्रेस ने भूपेश को मैदान में इसलिए उतारा है कि प्रदेश में कांग्रेस की सीट का ग्राफ बढ़ाया जा सके। यह सीट भाजपा के लिए भी अहम है क्योंकि भाजपा नेता व छत्तीसगढ़ में तीन बार मुख्यमंत्री रहे डा. रमन सिंह भी इसी क्षेत्र से विधायक हैं। हालांकि रमन वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष होने के नाते सक्रिय राजनीति में प्रत्यक्ष सहभागी नहीं बन रहे हैं मगर उनकी भी साख लगी हुई है।

राजनांदगांव की राह कांग्रेस के लिए अधिक मुश्किल रहने वाली है क्योंकि 1999 से अब तक हुए चुनावों में एक उप चुनाव के अलावा कांग्रेस अन्य चुनाव नहीं जीत पाई है। 1999 के चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह चुनाव जीते थे। इसके बाद 2004 में भी भाजपा के प्रदीप गांधी चुनाव जीते थे, हालांकि 2007 के उप चुनाव में कांग्रेस के देवव्रत सिंह ने भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में सफलता हासिल की थी। इसके बाद 2009 में भाजपा के मधुसूदन यादव, 2014 में भाजपा के अभिषेक सिंह और 2019 में भाजपा के संतोष पांडेय सांसद निर्वाचित हुए थे।

प्रदेश में राजनांदगांव की पहचान संस्कारधानी के रूप में है। गणेशोत्सव और हाकी के कई नामी खिलाड़ी देने वाले इस शहर में पहले बंगाल-नागपुर काटन मिल्स के रूप में राज्य का इकलौता सूती वस्त्र उद्योग था। एशिया का पहला और एकमात्र संगीत विश्वविद्यालय इंदिरा कला एवं संगीत विवि के नाम से खैरागढ़ की पूरी दुनिया में विशेष पहचान है। अविभाजित मध्य प्रदेश के समय मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे मोतीलाल वोरा भी इस क्षेत्र से सांसद रह चुके हैं। स्वतंत्रता संग्राम में राजनांदगांव जिले के सेनानियों का बड़ा योगदान रहा है। जिले के छुईखदान को बलिदानी नगरी भी पुकारा जाता है।

सहारनपुर उम्मीदवार कांग्रेस नेता इमरान मसूद

इंडिया गठबंधन यह चुनाव संविधान बचाने की खातिर लड़ रहा है

सहारनपुर, सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने आज ईद मिलन कार्यक्रमों के दौरान कहा कि 18 वीं लोकसभा का चुनाव देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इंडिया गठबंधन संविधान बचाने के लिए चुनाव मैदान में है। देश की जनता केंद्रीय सत्ता में बदलाव करने को आतुर दिखती है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन सभी धर्मों और जातियों के समर्थन के बूते पर भाजपा और एनडीए को चुनौती दे रहा है। इमरान मसूद के साथ कांग्रेस के नए जिलाध्यक्ष संदीप राणा, पूर्व अध्यक्ष चौधरी मुजफ्फर अली, पूर्व केंद्रीय मंत्री रशीद मसूद के बेटे शाजान मसूद, कांग्रेस के महानगराध्यक्ष वरूण शर्मा, प्रवक्ता गणेश दत्त शर्मा और सरदार चरणजीत सिंह निक्कू आदि मौजूद रहे।

रमजान के दौरान कराची में डकैती का विरोध करने पर 19 लोगों की हत्या, 55 घायल

कराची। रमज़ान 2024 के दौरान कराची में अपराध में वृद्धि देखी गई, जिसमें डकैतियों के विरोध के परिणामस्वरूप 19 मौतें हुई और 55 लोग घायल हुए। एआरवाई न्यूज़ की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने खुलासा किया कि डकैती की कोशिश के दौरान कराची में 19 नागरिकों की मौत हो गई। वारदात में शामिल लुटेरे हथियार से लैस थे। इस साल शहर में डकैती से संबंधित मौतों में उल्लेखनीय बढ़त देखी गई है, जो कुल मिलाकर 56 हो गई है, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। पिछले साल रमजान में 25 मौते हुई थी इसकी तुलना में पिछले साल इसी अवधि में डकैतियों के खिलाफ प्रतिरोध के कारण 25 मौतें हुईं थी और 110 घायल हुए थे। 2023 में आंकड़े चिंताजनक रूप से अधिक थे समान परिस्थितियों के कारण 108 मौतें और 469 घायल हुए थे। कराची पुलिस ने इस वर्ष लुटेरों के साथ 425 मुठभेड़ की, जिसमें 55 डकैत मारे गए और 439 घायल हो गए।

नागरिक-पुलिस संपर्क समिति (सीपीएलसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के पहले तीन महीनों में 22,627 अपराध दर्ज किए गए, जिनमें 59 मौतें और डकैती प्रतिरोध से उत्पन्न 700 से अधिक का घायल होना शामिल हैं। इसके अलावा इस अवधि में 373 कारें, 15,968 मोटरसाइकिलें और 6,102 मोबाइल फोन चोरी या छीने जाने की सूचना मिली। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सीपीएलसी रिपोर्ट में कराची में 25 जबरन वसूली की घटनाओं और फिरौती के लिए अपहरण के पांच मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया गया है। कराची के पुलिस प्रमुख ने दी यह जानकारी कराची के पुलिस प्रमुख अतिरिक्त महानिरीक्षक इमरान याकूब ने शहर के अपराध के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए बाहरी लोगों को जिम्मेदार ठहराया, जिनमें आंतरिक सिंध और बलूचिस्तान के लोग भी शामिल थे।

याकूब ने कहा कि शहर में प्रति दिन 166 मामलों की दैनिक अपराध दर, पाकिस्तान के अन्य प्रमुख शहरों की तुलना में तुलनात्मक रूप से कम है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि लगभग 4,00,000 पेशेवर भिखारी और आपराधिक तत्व रमज़ान और ईद-उल-फितर के दौरान कराची में आते हैं। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, 8 अप्रैल को एक बैठक के दौरान सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह और अन्य हितधारकों को संबोधित करते हुए, याकूब ने दोहराया कि कराची की अपराध दर अपेक्षाकृत मामूली थी, बाहरी आपराधिक तत्वों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, प्रति पुलिस स्टेशन में औसतन एक से भी कम मामले थे।

केजरीवाल कभी नहीं झुकेंगे, भाजपा आप सरकार को गिराने और राष्ट्रपति शासन लागू करने की कोशिश कर रही : आतिशी

नेशनल डेस्क- आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार को गिराने और राष्ट्रपति शासन लागू करने की कोशिश कर रही है, और दोहराया कि सीएम को झूठे मामले में गिरफ्तार किया गया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक कथित उत्पाद शुल्क घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। आतिशी ने कहा, दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने बैठक में भाग लेना बंद कर दिया है...ये सब बातें बताती हैं कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार को गिराने और राष्ट्रपति शासन लागू करने की साजिश चल रही है... केजरीवाल कभी नहीं झुकेंगे आतिशी ने कहा, वह देश भर में आम आदमी के अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे, चाहे वह जेल के अंदर हों या बाहर। आतिशी ने कहा, अरविंद केजरीवाल को एक फर्जी मामले में गिरफ्तार किया गया है और वह भी बिना किसी सबूत के क्योंकि दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिराने की साजिश है। जब हम अतीत की कुछ चीजें देखते हैं तो पता चलता है कि वहां एक कुआं था। सोचा कि साजिश चल रही है। आप नेता ने कहा, किसी भी अधिकारी को दिल्ली में तैनात नहीं किया जा रहा है, दिल्ली के भीतर कोई स्थानांतरण पोस्टिंग नहीं है, और चुनाव की घोषणा के बाद से अधिकारियों ने बैठकों में भाग लेना बंद कर दिया है। पिछले सप्ताह से, स्न एमएचए को आधारहीन पत्र लिख रहे हैं और सीएम के निजी सचिव भी हैं हटा दिया गया। यह सब दिल्ली सरकार को गिराने की साजिश को दर्शाता है।

मंगलनाथ मंदिर में पुजारी पद के लिए शह और मात का खेल

उज्जैन। महामंगल की जन्म स्थली कहे जाने वाले मंगलनाथ मंदिर में पुजारी पद को लेकर शह और मात का खेल जारी है। ताजा मामले में धार्मिक न्यास व धर्मस्व विभाग ने पं.दीप्तेश दुबे को पुजारी पद के लिए अपात्र माना था। इसके बाद पं.दुबे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय ने उन्हें राहत देते हुए धर्मस्व विभाग के आदेश पर स्थगन दे दिया है।मंगलनाथ मंदिर में भारती परिवार महंत व वंशपरंपरा से पूजा अर्चना करता आया है। बताया जाता है सितंबर 1997 में तत्कालीन एसडीएम घट्टिया ने पुजारी पद पर दीप्तेश दुबे को नियुक्त किया था। इस आदेश के विरुद्ध गणेश भारती ने वर्ष 2010 में कलेक्टर को अपील प्रस्तुत की थी। सुनवाई के बाद 23 दिसंबर 2010 को भारती की अपील निरस्त कर दी गई। भारती ने संभागायुक्त के समक्ष अपील प्रस्तुत की। उन्होंने कलेक्टर के आदेश को विधि अनुरूप मानते हुए अपील निरस्त कर दी। भारती ने आदेश के खिलाफ सरकार में निगरानी प्रस्तुत की।

5 अप्रैल को आया आदेश- इधर दीप्तेश दुबे ने 23 मार्च 2019 को हाई कोर्ट में दस्तक दी। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद निर्णय करने के आदेश दिए। इसके बाद लंबी कानूनी लड़ाई चली और 5 अप्रैल 2024 को धार्मिक न्यास व धर्मस्व विभाग के प्रमुख सचिव डा.ई रमेश कुमार ने आदेश जारी किया। इसमें दीप्तेश दुबे के दावे को अपात्र माना गया है। आदेश में लिखा है कि दुबे के पास दस्तावेज नहीं है। उन पर वंशपरंपरा भी लागू नहीं होती है। जबकि भारती परिवार वर्षों से वंश परंपरा अनुसार महंत व पुजारी के रूप में भगवान मंगलनाथ की पूजा अर्चना करता आ रहा है। इस परिवार ने वर्ष 1979 में मंगलनाथ मंदिर को एक बीघा भूमि भी दान में दी है। इस आदेश के विरुद्ध दीप्तेश दुबे को हाईकोर्ट से स्थगन मिल गया है।

सिंगल कॉलम

दुर्घटना में कर्मचारी की मौत, इंश्योरेंस कंपनी को 54 लाख देने का आदेश

इंदौर। *सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत में कोर्ट ने इंश्योरेंस कंपनी को उसके परिवार क 54.28 लाख रु. देने का आदेश दिया है। दुर्घटना 2020 को देवास बायपास पर हुई थी। इंदौर निवासी निर्मल एक कंपनी में जॉब करते थे। घटना वाले दिन वह बाइक से कंपनी जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें पीछे से एक टवेरा ने जोरदार टक्कर मारी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले में उनकी पत्नी ने खुद के और दोनों बच्चों की परवरिश को लेकर कोर्ट क्लेम लगाया था। एडवोकेट राजेश खंडेवाल के मुताबिक केस में परिवार की ओर से निर्मल द्वारा भरे गए तीन साल के इनकम टैक्स रिटर्न पेश किए गए। इसमें एक साल के रिटर्न में कुछ गलती थी। इसके बावजूद कोर्ट ने दो साल के रिटर्न को आधार माना और तीसरे साल के भी रिटर्न को भी मान्य किया। कोर्ट ने इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिया है कि वह निर्मल के परिवार को 54.28 लाख रु. दें। यह राशि 6% ब्याज के साथ देनी होगी।*

गोवंश के लिए बांटे जाएंगे एक हजार किलो मीठे दलिया के लड्डू

इंदौर। *मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2024-25 को गोरक्षा वर्ष के रूप में मनाने और गो पालको को प्रोत्साहन देने की घोषणा की है। घोषणा का मां पराम्बा गोभक्त मंडल, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने स्वागत किया है। इस कड़ी में यशवंत सागर स्थित गोकुलम गोशाला पर नंदी पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर शहर की गोशालाओं की गायों को एक हजार किलो मीठी दलिया के लड्डू बनाकर रामनवमी तक भेजने का संकल्प लिया गया। इसकी शुरुआत गोकुलम गोशाला की गायों को लड्डू परोसकर की गई। विभाग प्रमुख योगेश होलानी, संगठन मंत्री अभिषेक उदेनिया, बजरंग दल के सह संयोजक संतोष वर्मा एवं राजेश बिंजवे ने इस अवसर पर गोशालाओं के उत्थान के लिए पूरे वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित करने तथा गोहत्या करने वालों पर पैनी नजर रखने का निर्णय भी लिया। कार्यक्रम में गो भक्त मंडल के शैलेष मूंदड़ा ने गोवंश के लिए तीन प्याऊ लगाने, सेवा विभाग के प्रमुख यज्ञेश राठी ने चारा काटने की आटोमेटिक मशीन देने, समाजसेवी दिलीप जैन ने बीमार गायों को उठाने की मशीन भेंट करने की घोषणा की।*

मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए महिलाओं को जागरूक कर रहीं इंदौर की डा. निकिता रावल

इंदौर। जागरूकता की कमी के कारण मातृ मृत्यु दर हर वर्ष बढ़ रही है। सरकार भी इसे रोकने के लिए प्रयास कर रही है, वहीं शहर की संस्थाएं भी अब इसे लेकर जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही हैं। शहर की एक महिला डाक्टर एक वर्ष से आंगनबाड़ियों में जाकर महिलाओं को इसके लिए जागरूक कर रही हैं। हम बात कर रहे हैं डा. निकिता रावल की। वे पांच वर्षों से ईशान फाउंडेशन के माध्यम से सामाजिक कार्य कर रही हैं। डा. रावल बताती हैं कि वह 14 वर्ष इंग्लैंड में रही हैं। वहां प्रशिक्षण के दौरान बताया कि किस तरह महिलाएं स्वयं का ध्यान रखते हुए सामान्य प्रसूति पा सकती हैं। साथ ही मातृ मृत्यु दर कैसे कम की जा सकती है? वहां से भारत लौटने के बाद महिलाओं को जागरूक करना शुरू किया। मातृ मृत्यु दर में सबसे अधिक संख्या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं की ही होती है, क्योंकि यह जागरूक नहीं होती है, जिसके कारण कई तरह की भ्रांतियां भी इन्हें होती हैं। इसके लिए शहर की 10 आंगनबाड़ियों को गोद भी लिया है, जहां महिलाओं को जागरूक करने के लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है। आगे जाकर यह संख्या बढ़ा दी जाएगी। इसके अलावा अस्पताल में आने वाली महिलाओं और उनके साथ आने वाले स्वजन को भी जागरूक किया जाता है। डा. रावल ने बताया कि गर्भावस्था और बच्चे का जन्म किसी भी महिला के जीवन की बहुत महत्वपूर्ण कड़ी होती है। स्तनपान को लेकर आज भी कई तरह की भ्रांतियां, असमंजस और अज्ञानता समाज में फैली हुई है। इसे दूर करना बहुत जरूरी है ताकि शिशु को सही पोषण मिल सके और कई सारी बीमारियों से उसका बचाव भी हो सके। हमारा मुख्य लक्ष्य महिलाओं व बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य व विकास के क्षेत्र में काम करना है। प्रसूति के बाद मां का पहला दूध बच्चे को जरूर पिलाना चाहिए। कम से कम छह माह तक बच्चे को स्तनपान करवाना चाहिए। इसके अलावा परिवार के सदस्यों की भी जिम्मेदारी है कि वह मां के खानपान पर विशेष ध्यान दें। उन्हें पोषक खुराक देनी चाहिए। साथ ही महिलाओं को शरीर की सफाई और हाइजीन का भी ध्यान रखना चाहिए। डा. रावल ने बताया कि स्तनपान से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। सर्दी-जुकाम से लेकर कई गंभीर बीमारियों से भी सुरक्षित रहता है। स्तनपान कराने से मां का शरीर भी स्वस्थ रहता है और स्तन कैंसर जैसी समस्याओं से भी उसका बचाव हो सकता है। वहीं आजकल सरकार की ओर से खून की कमी को दूर करने के लिए भी निश्शुल्क दवाई मिलती है। लेकिन इसके बावजूद कई महिलाएं इसका सेवन नहीं करती है। जबकि महिलाओं में यह जागरूकता होना चाहिए कि इस दवाई का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

इंदौर में माहौल बिगाड़ने की कोशिश

आजाद नगर में दो पक्ष आमने-सामने

सिटी चीफ इंदौर।

आजाद नगर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक वर्ग के युवकों ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया। रात में आरती रोकने का दबाव बनाया और गुरुवार सुबह पथराव कर डाला। संवेदनशील क्षेत्र में दो समुदायों के बीच विवाद की सूचना से पुलिस सकते में आ गई। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। घटना की शुरुआत बुधवार रात करीब 8 बजे उस वक्त हुई जब हिंदू युवा आइडीए मल्टी परिसर में शिव मंदिर में मूर्ति स्थापना कर आरती कर रहे थे। मल्टी के समीप ही फिरदौस नगर में रहने वाले युवक गुस्से में आए और कहा कि आरती रोके। ईद का अवसर है और अजान का वक्त हो गया है। दोनों तरफ से तनातनी हो गई। सूचना मिलने पर आजाद नगर थाने से बल पहुंचा और स्थिति संभाली। रात को मामला शांत हो गया, लेकिन सुबह पुन: दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। आरोप लगाया गया कि कुछ युवकों ने मंदिर की तरफ पत्थर फेंके हैं। एक महिला पत्थर लगने से घायल भी हो गई।

टीआइ नीरज मेढ़ा के मुताबिक, पुलिस ने घटना स्थल पर बल तैनात कर दिया। उधर, कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार को एक वर्ग के युवकों ने कटलरी दुकान संचालक व उसके साथियों पर हमला कर दिया। पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध नामजद केस दर्ज कर हिरासत में ले लिया है। घटना रानीपुरा स्थित नई बागड़ की है। पुलिस ने सूर्यांश डेमला निवासी रानीपुरा की शिकायत पर शाहिद, सलमान और अजहरुद्दीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। सूर्यांश की कटलरी की दुकान है। शाम को साथी विशेष मंधवानी और निखिल प्रियतानी के साथ स्कूटर से गया था। हार्न बजाकर दोस्त को बुला रहा था। आरोपितों ने विरोध किया और तीनों के साथ मारपीट कर दी।

राजेंद्र नगर में होगी राम सकल गुण धाम की प्रस्तुति
माणिक बाग रोड में सजेगा कीर्तन दीवान

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 12 अप्रैल को होंगे। इसमें सृजन त्रिविधा में रचनाकार अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। इसके अतिरिक्त बैसाखी के उपलक्ष्य में कीर्तन दीवान सजेगा। इसके साथ ही योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। योग से रोग निवारण ग्रीष्मकालीन शिविर महालक्ष्मी मंदिर उषानगर में आयोजितकिया जा रहा है। शिविर में 28 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 7.30 तक योग शिक्षकों द्वारा शरीर की अलग-अलग बीमारियों के उपचार के लिए योग बताया जाएगा। यदि आपकी रुचि इतिहास को करीब से जानने में है तो आप छत्रीबाग स्थित होलकरकालीन छत्रियों को देखने जरूर जाएं। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आप यहां छत्रियों को निहार सकते हैं। यहां लगे साइन बोर्ड की मदद से आप होलकर राजवंश के बारे में भी जान सकते हैं। आज शाम यदि आप राजेंद्र नगर क्षेत्र में हैं तो वहां के जवाहर सभागृह में होने वाले कार्यक्रम का हिस्सा बनें। यहां शाम 7.15 बजे शिव अनादि समूह द्वारा राम सकल गुण धाम की प्रस्तुति दी जाएगी। इसमें राम गीतों की नृत्यमय प्रस्तुति दी जाएगी। खालसा पंथ के सृजन दिवस पर आयोजित कीर्तन दीवान रात 8 बजे से गुरु अमरदास हॉल माणिक बाग रोड पर होगा। इसमें श्री दरबार साहब अमृतसर के कीर्तनकार भाई सुरेंद्र सिंह, भाई नछतर सिंह शब्द कीर्तन करेंगे। ज्ञानी जतिंदरपाल सिंह जोधा का ढाढी जत्था वीर रस का गायन करेगा। मुख्य दीवान 13 अप्रैल को सुबह से दोपहर 2 बजे तक सजाया जाएगा। इस मौके पर गुरु का अटूट लंगर होगा। यदि आप कटरा स्थित वैष्णोदेवी मंदिर नहीं गए तो कोई बात नहीं, इस नवरात्र में आप लालबाग परिसर के समीप बने वैष्णो देवी मंदिर होकर आएं। यहां की बनावट आपको मुख्य वैष्णोदेवी मंदिर की अनुभूति कराएगी और देवी दर्शन भी कर सकेंगे।

प्रोजेक्ट पूरे करने के लिए लगेगा ब्लॉक

महू-इंदौर के बीच 15 दिन नहीं चलेंगी ट्रेनें

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर-महू के बीच चल रही ट्रेनों की आवाजाही 15 दिन तक बंद रहेगी। इस दौरान महू यार्ड रीमाडलिंग, राऊ-महू दोहरीकरण और महू-पातालपानी ब्राडगेज लाइन प्रोजेक्ट के काम पूरे होंगे। इसे लेकर तीन दिन पहले ही डीआरएम और निर्माण विभाग के बीच बैठक हुई है, जिसमें तय किया गया है कि 15 अप्रैल तक ब्लॉक ले लिया जाएगा। ऐसे में आगामी 15 दिनों तक महू-इंदौर के बीच ट्रेनों का संचालन पूरी तरह से बंद हो जाएगा। महू से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन इंदौर और लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। रेल अफसरों के अनुसार, राऊ-महू दोहरीकरण और महू-पातालपानी ब्राडगेज लाइन का काम तकरीबन पूरा हो चुका है। महू रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म-1 और 4 पर पटरियां भी बिछ चुकी है, इसलिए महू स्टेशन पर यार्ड रीमाडलिंग का काम किया जाएगा। इसमें अतिरिक्त लाइन को हटाना, सिग्नलिंग, नए लाइन को जोड़ना आदि काम किए जाएंगे। इस काम को पूरा करने में कम से कम 15 दिन का समय लेगा। संभवत: रतलाम रेल मंडल इस काम के लिए इसी माह 15 तारीख तक मेगा ब्लॉक लेगा। इन ट्रेनों पर पड़ेगा असर इस मेगा ब्लॉक के चलते महू से वर्तमान में चल रही मालवा एक्सप्रेस, कामाख्या एक्सप्रेस, यशवंतपुर, प्रयागराज और रीवा एक्सप्रेस को इंदौर या उज्जैन से चलाया जाएगा। वहीं महू-भोपाल इंटरसिटी को इंदौर से चलाया जाएगा। वहीं महू से रतलाम के लिए चल रही डेमू ट्रेन को भी इंदौर में ही शार्ट टर्मिनेट कर दिया जाएगा। पीआरओ खेमराज मीणा ने बताया कि मेगा ब्लॉक के चलते इंदौर-महू के बीच ट्रेनों का संचालन नहीं होगा। ब्लॉक को लेकर अब तक तारीख तय नहीं की गई है।

हारने वाले बीजेपी प्रत्याशी की चुनौती

नेता प्रतिपक्ष सिंघार के खिलाफ इंदौर हाईकोर्ट में आज सुनवाई

सिटी चीफ इंदौर।

नेता प्रतिपक्ष और गंधवानी विधायक उमंग सिंघार के निर्वाचन को चुनौती दी गई है। इलेक्शन पीटिशन को स्वीकारते हुए जबलपुर से इंदौर हाईकोर्ट को ट्रांसफर कर दिया है। मामले में यहां सुनवाई 12 अप्रैल को होगी। सिंघार के अलावा प्रदेश में सबसे कम वोट से जीतने वाले शाजापुर विधायक अरुण भीमावत के खिलाफ भी इलेक्शन पीटिशन (चुनाव याचिका) लगी है। वो भी इंदौर हाईकोर्ट में ट्रांसफर हो गई है। बीजेपी प्रत्याशी सरदार सिंह मेढ़ा ने उमंग सिंघार के खिलाफ याचिका लगाई है। सिंघार ने उन्हें 22 हजार 119 वोट से चुनाव हराया है। याचिका में जानकारी छुपाने और चुनाव जीतने के लिए करप्ट प्रैक्टिस करने को आधार बनाया है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रचार वाहन से शराब जब्त हुई थी। गाड़ी की अनुमति प्रत्याशी उमंग सिंघार के नाम पर थी। जिस गाड़ी से शराब जब्त हुई थी उसमें उनका अभिकर्ता भी था। निर्वाचन आयोग के दल ने

पकड़कर केस दर्ज करवाया था। सिंघार की जीत को चुनौती देते हुए अन्य कारणों के साथ याचिका में ग्राउंड के तौर पर करप्ट प्रैक्टिस में इसे भी शामिल किया है। इलेक्शन पीटिशन मुख्यपीठ जबलपुर में प्रस्तुत की गई है। पहले जांच इसके बाद पीटिशन अपडेट हुई। इसके बाद जहां-जहां क्षेत्राधिकार (जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर) है वहां कोर्ट के द्वारा उन्हें ट्रांसफर किया गया है। उमंग सिंघार और अरुण भीमावत के खिलाफ लगी पीटिशन ट्रांसफर होकर इंदौर हाई कोर्ट आ गई है। यहां मामले में सुनवाई होगी। वहीं विधानसभा चुनाव में शाजापुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी हुकुम सिंह कराडा बीजेपी उम्मीदवार अरुण भीमावद से 28 वोट से चुनाव हार गए थे। यह प्रदेश में सबसे छोटी हार (कम वोट) है। उन्होंने भी इलेक्शन पीटिशन लगाकर बीजेपी उम्मीदवार की जीत को चुनौती दी है। पीटिशन स्वीकार कर ली गई है।

इधर कार्यकर्ता सम्मेलनों की बाढ़, उधर कार्यकर्ताओं को एकत्रित करना ही चुनौती

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के इंदौर दौरे के बाद शहर में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलनों की झड़ी लगी है। पिछले एक सप्ताह में पार्टी ने 50 से ज्यादा वार्डों में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए। इनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता कार्यकर्ताओं में जोश तो भर ही रहे हैं, अच्छे काम के लिए उन्हें सम्मानित भी कर रहे हैं। इसका असर यह हो रहा है कि भाजपा कार्यकर्ता अब सड़क पर उतरकर काम करते नजर आने लगे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस इस मामले में अब भी बहुत पीछे है। अब तक न कार्यकर्ता सम्मेलन शुरू हुए, न मतदाता जागरूकता अभियान। यही वजह है कि फिलहाल तो इस मामले में वह भाजपा से पिछड़ती नजर आ रही है। दरअसल कांग्रेस के सामने चिंता कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने की भी है। नेताओं के लगातार भाजपा में पलायन से चिंतित कांग्रेस के पास फिलहाल कार्यकर्ताओं की सुध लेने का समय ही नहीं है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूछा था- सम्मेलन हो रहे हैं या नहीं 3 अप्रैल को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा संयोजकों, जनप्रतिनिधियों, विधायकों की बैठक में उनसे सीधी बात की थी। नड्डा ने लोकसभा संयोजकों से पूछा था कि कार्यकर्ता सम्मेलनों की स्थिति क्या है? इंदौर में उस समय तक भाजपा के इक्का-दुक्का कार्यकर्ता सम्मेलन ही हुए थे। नड्डा ने बैठक में कार्यकर्ता सम्मेलनों के बारे में समझाते हुए जनप्रतिनिधियों के सामने कार्यकर्ता को देवतुल्य बताया था।

पांच साल बाद यूटीडी में 10 फीसद बढ़ेगी फीस, 30 अप्रैल तक मांगे प्रस्ताव

सिटी चीफ इंदौर।

कोरोना संक्रमण के कारण देवी अहिल्या विश्वविद्यालय पांच साल बाद अपने पाठ्यक्रम की फीस बढ़ाने पर विचार कर रहा है। तक्षशिला परिसर स्थित यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) से संचालित पाठ्यक्रम की आठ से दस फीसद फीस में वृद्धि की जाएगी। इसके लिए फीस विनियामक समिति ने विभागों से प्रत्येक पाठ्यक्रम की फीस का विवरण मांगा है। यह प्रस्ताव 20 दिनों यानी 30 अप्रैल तक समिति को भिजवाना है। उसके आधार पर समिति बैठक कर फैसला लेगी। अधिकारियों के अनुसार बैठक मई के अंतिम सप्ताह में होगी। वर्ष 2019 में विश्वविद्यालय ने अपने पाठ्यक्रम की ट्यूशन फीस में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी की। 2020 में महामारी को फैलने से रोकने को लेकर देशभर में लाकडाउन लगा। इस दौरान कई परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई थी। विश्वविद्यालय ने इसे ध्यान में रखते हुए 2020-2021 और 2020 में फीस शेड्यूल को लेकर बदलाव नहीं किया। बीते साल अधिकांश विभागाध्यक्षों ने फीस संबंधित प्रस्ताव नहीं भेजा था। फरवरी में विश्वविद्यालय ने फीस विनियामक समिति बनाई है, जिसमें आइईटी डायरेक्टर डा. संजीव टोकेकर, आइआइपीएस निदेशक डा. बीके त्रिपाठी, स्कूल आफ सोशल साइंस की विभागाध्यक्ष डा. रेखा आचार्य, वित्त नियंत्रक और विकास विभाग के प्रभारी को सदस्य बनाया है। मार्च में पहली बैठक बुलाई और फीस बढ़ाने पर जोर दिया। विभागाध्यक्षों से फीस संबंधित प्रस्ताव मांगे हैं। 28 विभागों में 130 पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर में 28 विभागों बने हैं। यहां से संचालित होने वाले 130 स्नातक-स्नातकोत्तर और इंटीग्रेटेड कोर्स हैं। लगभग 18 हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं, मगर नया फीस शेड्यूल 2024-25 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों पर लागू होगा। प्रत्येक विभाग को प्रवेश प्रक्रिया से पहले फीस के बारे में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नई दरों का उल्लेख करना होगा।

क्यू-सेफ टूल-जाल बिछाकर साइबर फॉड को अंजाम देना नहीं होगा आसान, इंदौर के एक्सपर्ट कर रहे बड़ा काम

इंदौर में डीपफेक डिटेक्शन टूल तैयार, खुलेगी हर फेक कंटेंट की पोल

सिटी चीफ इंदौर।

एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ने हमारे कई काम आसान तो कर दिए हैं, लेकिन हैकर्स के लिए भी रास्ते बन गए हैं। हैकर्स एआई की मदद से डीपफेक का जाल बिछाकर साइबर फ्रॉड को अंजाम दे रहे हैं। डीपफेक की चुनौती से निपटने के लिए साइबर एक्सपर्ट लगातार प्रयास कर रहे हैं। इंदौर की एक आईटी कंपनी ने डीपफेक डिटेक्शन टूल तैयार किया है। कई और एक्सपर्ट्स ने एआई टूल बनाए हैं, जो लोगों के लिए मददगार साबित हो रहे हैं। हैकर्स आम लोगों को शिकार बनाने के लिए डीपफेक का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे फेक वीडियों, फोटो और ऑडियो तैयार कर रहे हैं। लोग हैकर्स के इस जाल में न फंसें, इसलिए शहर के साइबर एक्सपर्ट अभिजीत अकोलेकर ने अपनी टीम के साथ मिलकर क्यू-सेफ टूल तैयार किया है, जो डीपफेक को पहचानने में मदद करेगा।

चुनावी माहौल में आएगा काम

चुनावी माहौल में हैकर्स की नजर

नेताओं पर है और वे डीपफेक से उन्हें निशाना बना सकते हैं। इससे बचने में यह टूल एक ऑप्शन साबित होगा। इस पर किसी भी फोटो, वीडियो और ऑडियो को अपलोड करने पर पता चल जाएगा कि वह रियल है या हैकर्स द्वारा बनाया गया है। इसे टीम और डेवलप कर रही है, जिसके बाद इसका इस्तेमाल रियल टाइम डिटेक्शन में भी किया जा सकेगा। इससे फेक डॉक्यूमेंट को भी स्कैन किया जा सकेगा।

पशुओं के सर्वे के लिए भी टूल

कई बार बड़ा सर्वे करने में बहुत समय लगता है और सही डेटा नहीं मिल पाता। कुछ लोग जानवरों की स्थिति पता करने के लिए जंगलों का सर्वे करते हैं, जो आसान नहीं होता। इसके लिए एक्सपर्ट शावेज शेख ने भी एआई टूल तैयार किया है, जो जानवरों का पता लगाने में मदद करेगा। इसमें जितना एरिया कैमरा कैप्चर करेगा, उसमें पता चल जाएगा कि कितने जानवर हैं, किस प्रजाति के हैं, उनका जेंडर क्या है। एआइ कैमरा बैकेंड को जानकारी भेजता है, जिसके बाद रिजल्ट जारी होता है।

ट्रैफिक का पता लगाने के लिए टूल

एक्सपर्ट फहीम हसन ने ट्रैफिक को लेकर ऐसा टूल तैयार किया है, जो गाड़ियों को डिटेक्ट करने के साथ ट्रैफिक मैनेजमेंट में भी मदद करेगा। व्हीकल डिटेक्शन टूल से जानकारी मिल जाएगी कि कितनी गाड़ियां निकल रही हैं, गाड़ियों का मॉडल क्या है, गाड़ी किस शहर में रजिस्टर्ड है, उसका मालिक कौन है। ट्रैफिक लोड का पता लगाने में भी इसकी मदद ली जा सकती है। यह क्षेत्र के हिसाब से ट्रैफिक लोड का पता लगा लेता है। एक तय समय में कितनी गाड़ियां उस क्षेत्र से गुजरी, उनमें कितनी दो पहिया और चार पहिया थीं, इसे ट्रेक किया जा सकता है। इससे यातायात को दुरूस्त करने और प्लानिंग बनाने में मदद मिलेगी। कई बड़ी मल्टियों में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। वहां यह टूल गाड़ियों की नंबर प्लेट स्कैन कर पता लगाता है कि कौनसी गाड़ी मल्टी की है और कौनसी बाहर से आई है।

बेमौसम बारिश ने खराब हुई फसल पर सरकार ने पहुंचाई किसानों की राहत

30 फीसदी तक चमक कम हुई तो उसी रेट पर खरीदा जाएगा गेहूं

भोपाल। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश-ओले और आंधी से इस वर्ष किसानों को गेहूं की फसल में काफी नुकसान हुआ है। जहां किसानों द्वारा अलग-अलग वैरायटी का बीज बोकर गेहूं की फसल लगाई गई थी। उसमें उनको एवरेज के मुताबिक कम मात्रा में फसल की पैदावार हुई है। साथ ही मौसम की मार से गेहूं की चमक भी कम हुई है। हालांकि सरकार ने किसानों को राहत देते हुए निर्देश दिया है कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण जिन किसानों के गेहूं की 30 फीसदी तक चमक कम हुई है उन किसानों का गेहूं उसी रेट पर खरीदा जाए। अब ऐसे में जिन किसानों की फसल थोड़ी भी खराब हुई है वे अपना गेहूं लेकर खरीदी केंद्रों में पहुंच रहे हैं।

किसानों के अनुसार पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष प्रति एकड़ गेहूं की फसल में 10 से 12 क्विंटल तक माल निकल रहा है, जबकि आम तौर पर 17 से 18 क्विंटल प्रति एकड़ से फसल की पैदावार होती थी। वहीं दूसरी तरफ बहुत जगहों पर गेहूं के दाने भी काफी पतले निकल रहे हैं। इसके अलावा किसानों की फसल में कचरा और खुसी, मिट्टी आदि भी सामने आ रही है। जिन किसानों की फसलें कट चुकी है, उनमें से बहुत से किसानों की फसलों में खुसी और कचरे के साथ-साथ मिट्टी भी आ रही है। जिसको साफ करने के लिए किसानों को पंखा और छन्ना लगाना पड़ रहा है। मौसम अपना रुख बार-बार बदल रहा है। इसके कारण किसान काफी चिंतित हैं। भारी बारिश होने से किसानों को खड़ी फसल को नुकसान ना हो इसके लिए कई किसान गीली फसल ही काटने को मजबूर हैं। वहीं दूसरी तरफ जिन किसानों की फसल कट कर रखी हुई है, उन पर भी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। इसके कारण किसान जितनी जल्दी हो सके अपनी फसल बेचने के लिए लगे हुए हैं। इससे किसी भी तरह से किसानों को भारी नुकसान ना उठाना पड़े और समय पर उनकी फसल कट कर बिक जाए।

ये है मध्यप्रदेश सरकार का अदेश

-30 प्रतिशत तक प्रभावित दानों वाले चमकहीन गेहूं को पूरे मध्य प्रदेश राज्य में बिना किसी मूल्य कटौती के खरीदा जाएगा।

-इस प्रकार खरीदे गए गेहूं को अलग से ढेर करके रखा जाएगा और उसका हिसाब रखा जाएगा।

-भंडारण के दौरान शिथिल मानदंडों के तहत खरीदे गए गेहूं के स्टॉक की गुणवत्ता में कोई भी गिरावट मध्य प्रदेश राज्य सरकार की पूरी जिम्मेदारी होगी।

-खरीदे गए गेहूं के स्टॉक को प्राथमिकता के आधार पर समाप्त किया जाएगा।

-इस छूट के कारण होने वाले किसी भी वित्तीय या परिचालन संबंधी प्रभाव की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

ओलावृष्टि और गेहूं खरीदी को लेकर सीएम के निर्देश

गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ओलावृष्टि को लेकर प्रशासन को निर्देश जारी कर किए गए हैं। किसी भी जिले में जनहानि, पशुहानि या किसी प्रकार का नुकसान होगा तो सरकार उसके प्रति गंभीर रहेगी। उसकी क्षतिपूर्ति करने के लिए मुआवजा दिया जाएगा, प्रदेश सरकार इसके लिए कृत संकल्पित है। डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं को कवर्ड परिसर में रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। 80त्न अनाज पहले से कवर्ड परिसर में है, लेकिन जो ओपन में है, उसको भी सुरक्षित करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने निर्देश जारी किए हैं। गेहूं की जो फसल आ रही है, उसकी चमक कमजोर थी। किसी कारण से उनको खरीदने में कठिनाई आ रही थी। वो निर्देश भी स्पष्ट हो गए हैं, किसान को किसी प्रकार का कष्ट न आने दें।

नशे में मतदान का प्रशिक्षण लेने पहुंच गए दो शिक्षक, कलेक्टर ने किया निलंबित

सिटी चीफ भोपाल।
लोकसभा चुनावों को देखते हुए अनूपपुर में छह अप्रैल को आवासीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में मतदान दल का प्रशिक्षण रखा गया था। इस दौरान कक्ष क्रमांक 17 में शासकीय प्राथमिक विद्यालय बैगान टोला थमरदर के सहायक शिक्षक मुरलीलाल मरावी और शासकीय प्राथमिक विद्यालय पौनी के प्राथमिक शिक्षक अलकेश शर्मा शराब के नशे में ही प्रशिक्षण लेने पहुंच गए थे। कलेक्टर को पता चला तो उन्होंने दोनों को सस्पेंड कर दिया है। मतदान दल में शामिल सहायक शिक्षक मुरलीलाल मरावी की ड्यूटी पी-1 में तथा प्राथमिक शिक्षक अलकेश शर्मा की ड्यूटी पी-3 में लगाई गई थी। दोनों कर्मचारियों ने निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में जानबूझकर लापरवाही बरती, आचार संहिता का उल्लंघन किया एवं पदीय दयित्वों के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता दिखाई। उनका आचरण म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम तीन के विपरीत होने के कारण कदाचरण की श्रेणी में आता है। इस पर कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए सहायक शिक्षक मुरलीलाल मरावी व प्राथमिक शिक्षक अलकेश शर्मा को निलंबित किया है। यह निलंबन म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम नौ के तहत किया गया है। संबंधित निलंबित कर्मचारियों का मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी जैतहरी नियत किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

पुलिस ने भगोड़ा घोषित कर रखा था इनाम

आरजीपीवी के पूर्व कुलपति गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।
राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के घोटाले में पूर्व कुलपति प्रो. सुनील कुमार को पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने दस हजार रुपये का इनाम भी रखा था।
सरकार ने घोटाला सामने आने के कुछ दिन बाद निलंबित किया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने फरार आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण का आरोप लगाया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आवास को घेरा भी था। इसके बाद सरकार और पुलिस सक्रिय हुए और तेजी से कार्रवाई हुई। प्रो. सुनील कुमार ने भोपाल जिला कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। पूर्व रजिस्ट्रार आरएस राजपूत, सेवानिवृत्ति फाइनेंस कंट्रोलर ऋषिकेश वर्मा इस मामले में फरार चल रहे हैं। तीनों पर पुलिस ने इनाम भी घोषित किया है और लुकआउट नोटिस जारी हो चुका है। पुलिस ने आरोपियों की संपत्ति की कुर्क करने की भी तैयारी कर ली है। भोपाल के पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा ने कहा कि प्रो. सुनील कुमार को रायपुर से गिरफ्तार किया गया है। चार बजे तक उन्हें भोपाल लाया जाएगा। उसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी। आरोपियों पर यूनिवर्सिटी के 19.48 करोड़ रुपये निजी खातों में ट्रांसफर करने के आरोप हैं। जांच में इन आरोपों की पुष्टि हुई है। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी और गिरफ्तारी की गई है। पुलिस इस मामले में दो बैंककर्मियों और दलित संघ के एक पदाधिकारी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पूर्व रजिस्ट्रार आरएस राजपूत की अग्रिम जमानत याचिका भी कोर्ट ने पुलिस की आपत्ति के बाद खारिज कर दी थी। पुलिस को अब आरएस राजपूत और सेवानिवृत्त फाइनेंस कंट्रोलर ऋषिकेश वर्मा की तलाश है। इन दोनों पर ही दस-दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इन्हें गिरफ्तार करने में मदद करने वालों को यह पुरस्कार राशि दी जाएगी।

यह है मामला

पुलिस ने तीन मार्च को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। इसके तीन दिन बाद प्रो. सुनील कुमार गुप्ता ने कुलपति पद से इस्तीफा दिया था। एक महीने बाद उन्हें सस्पेंड किया गया। मामला 19.4 करोड़ रुपये गलत तरीके से निजी खातों में ट्रांसफर करने का है। नौ करोड़ रुपये सोहागपुर के दलित संघ को ट्रांसफर किए गए थे। दो कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया गया था। आरबीएल बैंक के पूर्व कर्मचारी कुमार मयंक को 22 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उसने निजी बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर किए और फर्जी दस्तावेज अधिकारियों को झूठे स्टेटमेंट्स उपलब्ध कराए।

नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते जोधपुर भोपाल एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तित

सिटी चीफ भोपाल।
उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल के फुलेरा-डेगाना जंक्शन रेल खंड पर नावा सिटी-गोविंदी मारवाड़ स्टेशनों के मध्य नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते भोपाल मंडल से प्रारंभ, समाप्त होने वाली गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस 26 अप्रैल को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया जयपुर-रींगस-सीकर-चूरू-रतनगढ़ जंक्शन-डेगाना होते हुए गंतव्य को जाएगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 27 अप्रैल को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया डेगाना-रतनगढ़ जंक्शन-चूरू-सीकर-रींगस-जयपुर होते हुए गंतव्य को जाएगी।
इन गाड़ियों के भी मार्ग परिवर्तित
गाड़ी संख्या 12168 बनारस-लोकमान्यतिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 15 अप्रैल को अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया जलगांव-उधना-वसई रोड होकर गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 12142 पाटली पुत्र-लोकमान्यतिलक टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 15 अप्रैल को अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया जलगांव-उधना-वसई रोड होकर गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 12065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस दिनांक 15 अप्रैल को अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया जलगांव-उधना-वसई रोड होकर गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 15 अप्रैल को अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया जलगांव-उधना-वसई रोड होकर गंतव्य को जाएगी।

ढाबे पर बेची जा रही थी अवैध शराब आबकारी टीम ने मारा छापा

सिटी चीफ भोपाल।
लोकसभा चुनाव के लिए जिले में आदर्श आचार संहिता लागू है। शराब के अवैध परिवहन, बिक्री को रोकने के लिए लगातार सघन चेकिंग की जा रही है। इसके बावजूद जिले में अवैध शराब की बिक्री पर लगाम नहीं लग पा रही। ढाबों और निचली बस्तियों में अवैध शराब का गोरखधंधा खूब चल रहा है। इसकी भनक जब आबकारी टीम को लगी तो छापामार कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बरामद करते हुए आरोपितों पर प्रकरण दर्ज किया है। **इन इलाकों में पकड़ी अवैध शराब ..**जिला आबकारी कंट्रोलर आरजी भदोरिया ने बताया कि गुरुवार को विदिशा रोड स्थित ढाबे पर छापा मारते हुए अवैध शराब बरामद की गई है। यहां ढाबा संचालक द्वारा शराब छिपाकर रखी थी और लोगों को अवैध रूप से परोसी जा रही थी। आबकारी टीम ने आरोपित राजू को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। इसी तरह छोला बस्ती में रेलवे लाइन के पास अवैध शराब बेची जा रही थी। जहां टीम ने पहुंचकर घेराबंदी की और तलाशी ली तो झाड़ियों में छिपाकर रखी अवैध शराब बरामद की गई है।

मिसरोद सहित 20 क्षेत्र में पांच घंटे बिजली कटौती

सिटी चीफ भोपाल।
शहर के मिसरोद सहित 20 से अधिक क्षेत्रों में शुक्रवार को पांच घंटे बिजली कटौती की जाएगी।बिजली कंपनी के रखरखाव अमले द्वारा विद्युत लाइन, ट्रांसफार्मर सहित अन्य उपकरणों में सुधार कार्य किया जाएगा। इस दौरान सुबह नौ से दोपहर दो बजे तक मिसरोद टाउन, कौशल नगर, भवानी धाम, इंडस पार्क, मुस्कान परिसर, संतोषी विहार एवं आसपास के क्षेत्र, सुबह साढ़े नौ से दोपहर ढाई बजे तक शीतल हाइट्स, सांई पार्क, निर्मल स्टेट, एक्सेल स्टेट, भैरोपुर, फारच्यून सौम्या हेरिटेज, झरनेश्वर, मधुवन विहार, 11 मील, दीप मोहिनी, नटराज (रतनपुर) सहित आसपास के क्षेत्र में, सुबह 10 से शाम पांच बजे तक नीलबड़ साक्षी ढाबे के पास, केरवा डेम रोड एवं आसपास के क्षेत्र में बिजली कटौती की जाएगी।

हजारों लोगों ने पढ़ी ईद की नमाज, अमन-चैन की मांगी दुआ

सिटी चीफ भोपाल।
ऐ अल्लाह! हम गुनाहगार हैं, खतावार हैं, बदकार हैं... तेरे हुक्म से गाफिल हैं... लेकिन जो हैं, जैसे हैं तेरे बंदे हैं...? ऐ अल्लाह तू रहीम है, हम पर रहम कर दे... तू करीम है, हम पर करम कर दे। हमारे गुनाहों का बोझ बहुत है, लेकिन तू गुनाहों को माफ करने वाला है, अपने बंदों पर रहम करने वाला है... हमें भी माफ कर दे...! ऐ अल्लाह, सारी दुनिया को इल्म के नूर से रौशन कर दे... ऐ अल्लाह सारी कायनात में अमन, सुकून, भाईचारे की हवाएँ चला दे... ऐ अल्लाह इस शहर, सूबे, मुल्क को कामयाबी, तरक्की की बुलंदियों से मालामाल कर दे...!
अकीदतमंदों से खचाखच भरी भोपाल ईदगाह पर काजी-ए-शहर सैयद मुश्ताक अली नदवी ने जब यह दुआ करवाई तो हर तरफ से उठने वाली आमीन की आवाज ने माहौल को रुहानियत से भर दिया। गुरुवार को ईद उल फितर की पहली नमाज ईदगाह पर सुबह 7:15 बजे अदा की गई। नमाज से पहले शहर काजी ने कुरआन और हदीस पर केंद्रित तकरीर की। नमाज के बाद खुतबा (धार्मिक प्रवचन) हुआ, उसके बाद दुआ हुई। इसके बाद लोग एक दूसरे से गले लगकर ईद की मुबारकबाद देते हुए घरों की तरफ रवाना हुए। ईदगाह में नमाज अदा होने के बाद जामा मस्जिद, ताजुल मसाजिद और मोती मस्जिद के अलावा शहर की अन्य मस्जिदों में ईद की नमाज होना थी। ईदगाह की नमाज मुकम्मल हो जाने के बाद इसकी सूचना तोप के गोले दागकर दी गई। ताकि बाकी मस्जिदों में नमाज की तैयारी की जा सके। साथ ही नमाजी भी इस लिहाज से समयानुसार मस्जिद तक पहुंच सकें।

एक रास्ते से आमद, दूसरे से वापसी

ईदगाह की नमाज में शामिल होने के लिए अकीदतमंदों के हुजूम अल सुबह से ही मंजिल की तरफ बढ़ने लगे थे। सिर पर टोपी, बदन पर नए नवेले कपड़े, महकती खुशबू और जुबां पर अल्लाह का जिक्र लिए लोग हर तरफ दिखाई दे रहे थे। इस्लामी मान्यता अनुसार इनका वापसी का रास्ता कुछ बदला हुआ था।

दिखी गंगा-जमुनी तहजीब

ईदगाह से लौटने वाले अकीदतमंदों के स्वागत में कई स्थानों पर स्वागत मंच लगाए गए थे। अलग धर्मों के लोगों ने यहां मौजूद रहकर ईद की मुबारकबाद दी। स्वागत करने वालों में कई सामाजिक संगठनों के लोग और कई धार्मिक संस्थाएं शामिल थीं। ईदगाह में नमाज अदा करने के लिए लोग अल सुबह से ही पहुंचना शुरू हो गए थे। एक लाख से ज्यादा क्षमता वाली ईदगाह नमाजियों से खचाखच भर गई तो बाद में आने वाले लोग पार्किंग और देरी से आने वाले आसपास की सड़कों पर ही नमाज के लिए कतारबद्ध हो गए। ईदगाह की नमाज में शामिल न हो पाए लोगों ने पहले जामा मस्जिद की दौड़ लगाई। इससे भी बाकी रह गए लोगों ने ताजुल मसाजिद और मोती मस्जिद की दौड़ लगाई। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद अपने पिता और दोनों बेटों के साथ ईदगाह में नमाज पढ़ने पहुंचे थे। तीनों पीढ़ी ने एक जैसे कलर और डिजाइन के पठानी सूट धारण किए थे। साथ देने के लिए मसूद के मित्र अतहर खान भी इसी रंग में रंगे दिखाई दिए। ईदगाह पहुंचने वाले कई लोगों ने शॉर्ट कट लिया। ये रास्ता गुरुद्वारा के परिसर से होकर गुजरता है। यहां के प्रबंधकों और सेवादारों ने नमाजियों के वाहन गुरुदारा परिसर में पार्क करवाने में मदद की। नमाज के बाद एक साथ कई मस्जिदों से नमाजियों का निकलना शुरू हुआ तो पुराने शहर के अधिकांश इलाकों में जाम के हालत बन गए।

ईदगाह से जुगलबंदी करते दिखाई दिए अन्य धार्मिक स्थल

जिस समय ईदगाह पर नमाज की तैयारी हो रही थी पास ही स्थित गुफा मंदिर से घंटियों और भजन की धीमी आवाज सुनाई दे रही थी। दूसरी तरफ ईदगाह हिल्स पर ही स्थित नानक साहब गुरुद्वारा में भी गुरुवाणी गूंज रही थी। ईदगाह के निचले हिस्से में स्थित कोहेफिजा के आर्च बिशप हाउस के चर्च में ईसाई धर्मावलंबी अपनी प्रेयर में तल्लीन थे।

साम्पदकीय

अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौत कर रही विचलित

अमेरिका में क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी में आईटी मास्टर्स करने गये हैदराबाद के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने अमेरिका में अध्ययनरत भारतीय छात्रों को भयभीत किया है। यह छात्र अपने विश्वविद्यालय के होस्टल से बीते माह लापता हुआ था। परिजनों के अनुसार गत सात मार्च से उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। विचलित करने वाली बात यह है कि इस साल के अभी तीन माह ही बीते हैं और ग्यारह भारतवंशी या भारतीय छात्रों की हत्या या संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। हैदराबाद के अब्दुल अरफाथ के परिजनों का कहना था कि उनसे एक अज्ञात कॉल के जरिये एक व्यक्ति ने फिरौती की मांग की थी। कहा जा रहा था कि किसी आपराधिक समूह द्वारा उनका अपहरण किया गया था। माता-पिता ने विदेश मंत्रालय से भी मामले में हस्तक्षेप की गुहार लगाई थी। गत माह 21 मार्च को न्यूयार्क स्थित भारतीय कांसुलेट के अधिकारियों ने कहा था कि वे स्थानीय अधिकारियों से तालमेल बनाये हुए हैं। दुखद ही है कि एक अन्य भारतीय छात्रा उमा सत्या साई की क्लीवलैंड में ही पिछले सप्ताह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी, जिसकी जांच चल रही है। अभी तक उसकी मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पिछले महीने भी भारत के एक प्रशिक्षित शास्त्रीय नर्तक अमरनाथ घोष की मिसौरी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बीते महीने भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर बीस वर्षीय भारतीय छात्र अभिजीत की मौत की जानकारी दी थी। इसी तरह फरवरी में एक 23 वर्षीय अमेरिकी-भारतीय छात्र समीर कामथ इंडियाना के एक प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र में मृत पाये गए थे। अब चाहे दो फरवरी को वाशिंगटन में रेस्तरां के बाहर आईटी इंजीनियर विवेक तनेजा पर जानलेवा हमला हो, जनवरी में इलिनोइस में 18 वर्षीय छात्र अकुल धवन की संदिग्ध मौत हो या फिर जनवरी में एक बेघर नशेड़ी द्वारा भारतीय छात्र विवेक सैनी की पीट-पीटकर की गई हत्या हो, ये घटनाएं बेहद दुखद व चिंता जनक हैं।

दरअसल, भारतीय छात्रों के मन में अमेरिका को लेकर जो सपनों के नखलिस्तान की धारणा बनी रही है, अब अमेरिका सुरक्षा की दृष्टि से उतना निरापद नहीं रहा। जब अमेरिका का कोई राष्ट्रपति सार्वजनिक तौर पर उकसावे का बयान दे कि भारतीय युवा तुम्हारी नौकरियां खा जाएंगे तो नासमझ लोगों की घातक प्रतिक्रिया का खमियाजा किसी न किसी को तो भुगतना ही होगा। नस्लभेदी नजरिया हो, अपराधों की दुनिया हो, नशे तस्करों के जाल हों या फिर ईर्ष्या की प्रतिक्रिया हो, भुगतना तो निर्दोष प्रवासियों को ही है। भारतीय अभिभावक अपना पेट काटकर व बैंकों से लोन लेकर अपने बच्चों को पढ़ाने अमेरिका भेजते हैं। ऐसे में किसी छात्र की हत्या पूरे परिवार को गहरे दुख व अवसाद में डुबो देती है। एक छात्र की मौत एक प्रतिभा की तमाम संभावनाओं की मौत होती है। भारतीय छात्रों का बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा व रोजगार के लिये लगातार पलायन करना हमारे नीति-नियंताओं के लिये भी आत्ममंथन का विषय है कि क्यों हम अपनी प्रतिभाओं को अनुकूल शैक्षिक व रोजगार का वातावरण भारत में नहीं दे पा रहे हैं। सही मायनों में अमेरिका लोकतांत्रिक मूल्यों, समरसता के समाज और वैचारिक आजादी जैसे जुमलों के सहारे जैसे विकासशील व गरीब मुल्कों को धमकाया करता है, वे मूल्यों उसके यहां प्रतिष्ठित हैं, इस बात में भी संदेह है। पिछले दिनों एक भारतीय की कार से कुचलने पर हुई मौत पर पुलिसकर्मी ने एक संवेदनहीन टिप्पणी की थी कि उसे मुआवजा मिलेगा। यह बयान अमेरिकी समाज की एक इंसान की जान के बारे में संकीर्ण सोच को भी दर्शाता है। पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंदिरा नूई की भारतीय छात्रों के साथ हो रही घटनाओं पर की गई टिप्पणी भी विचारणीय है। जिसमें उन्होंने छात्रों से सतर्क रहने, सुरक्षा के लिये स्थानीय कानूनों का सम्मान करने तथा नशे से दूर रहने की सलाह दी थी। एक विडंबना यह भी है कि अमेरिका में वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास में तरनजीत सिंह संधू की सेवानिवृत्ति के तीन माह बाद भी पूर्णकालिक राजदूत की नियुक्ति नहीं हो पायी है।

बंगाल में नाक और साख का सवाल

लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 सीटें राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भाजपा के लिए नाक और साख का सवाल बन गई हैं। इन सीटों के लिए सात चरणों में मतदान होना है। इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों यानी कांग्रेस और वाम मोरचा के साथ सीटों पर तालमेल के बजाय तृणमूल कांग्रेस राज्य की तमाम सीटों पर अकेले लड़ रही है। कांग्रेस और वाम मोरचा ने सीटों पर समझौता किया है। दूसरी ओर, भाजपा भी तमाम सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इन दोनों दावेदारों यानी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा पर इस बार अपनी पुरानी सीटों को बचाने और उनकी तादाद बढ़ाने की गंभीर चुनौती है। यही वजह है कि दोनों पार्टियों के शीर्ष नेताओं ने बेहद आक्रामक चुनाव अभियान शुरू किया है। बीते लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 22 और भाजपा को 18 सीटें मिली थीं। दो सीटें कांग्रेस के खाते में गई थीं, जबकि लेफ्ट या वाम मोरचा का खाता भी नहीं खुला था।

यूं तो सीटों के लिहाज से तीसरा बड़ा राज्य होने के कारण बंगाल तमाम दलों के लिए हमेशा अहम रहा है, पर इस बार दोनों प्रमुख दलों के बीच कांटे की लड़ाई के कारण इसकी अहमियत ज्यादा ही बढ़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले चरण के मतदान के पहले ही आधा दर्जन चुनावी रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी पीछे नहीं हैं। भाजपा ने राज्य में कम से कम 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। दूसरी ओर, तृणमूल ने भी ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के प्रयास में 26 नए चेहरों को मैदान में उतारा है।

विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा को नागरिकता (संशोधन) कानून और संदेशखाली कांड का फायदा मिल सकता है। वह नागरिकता कानून के जरिए राज्य की एक करोड़ से ऊपर की मतुआ आबादी को अपने पाले में खींचने का प्रयास कर रही है। इसी तरह संदेशखाली कार्ड के जरिये पार्टी के तमाम नेता राज्य में महिलाओं की स्थिति का प्रचार कर रहे हैं। राज्य में कम से कम पांच सीटों पर मतुआ वोटर निर्णायक हैं, इनमें महुआ मोइत्रा की कृष्णनगर सीट भी है, पर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी लगातार प्रचार कर रही है कि सीएए के तहत आवेदन करते ही नागरिकता छिन जाएगी। ममता इस कानून को एनआरसी से भी जोड़ रही हैं। ऐसे में, फिलहाल इस कानून का फायदा या नुकसान किसे होगा, बताना मुश्किल है। भाजपा के लिए शिक्षक भर्ती और राशन घोटाला भी एक प्रमुख मुद्दा है।

ममता बनर्जी समेत तृणमूल कांग्रेस के तमाम नेता केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगा रहे हैं। साथ ही, केंद्रीय योजनाओं के मद में कोई पैसा नहीं देने का आरोप भी उठ रहा है। ममता और पार्टी के नेता राज्य सरकार की ओर से शुरू की गई लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री, सबुज साथी और युवाश्री के अलावा विधवा और बुजुर्ग पेंशन जैसी योजनाओं का जमकर प्रचार कर रहे हैं। राज्य के 7.18 करोड़ वोटरों में 3.59 करोड़ महिलाएं शामिल हैं। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में इन योजनाओं ने महिलाओं का करीब 55 प्रतिशत वोट पार्टी को दिलाया था। उसके बाद लक्ष्मी भंडार योजना शुरू की गई है। केंद्रीय योजनाओं की काट के तौर पर राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस अपने मजबूत तंत्र के जरिए अपनी योजनाओं का तृणमूल स्तर तक प्रचार करने में कामयाब रही है। हालांकि, इन योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभ में भ्रष्टाचार के आरोप उठते रहे हैं, लेकिन पार्टी के नेता दावा करते हैं कि इसका कोई असर नहीं होगा।

उत्तर 24-परगना जिले में विभिन्न घोटालों में पार्टी के मजबूत नेताओं की गिरफ्तारी ने भी तृणमूल की चिंता बढ़ा दी है। वहां संगठन संभालने वाले मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक राशन घोटाले में जेल में हैं, तो कोलकाता और हुगली जिले में चुनावी जिम्मा संभालने वाले पार्थ चटर्जी भी शिक्षक भर्ती घोटाले में हवालात में हैं। संदेशखाली की घटना और उस मामले में शाहजहां शेख समेत पार्टी के कई नेताओं की गिरफ्तारी भी पार्टी के लिए सिरदर्द बन गई है। संदेशखाली इलाका बशीरहाट लोकसभा क्षेत्र के तहत है। पार्टी ने इस सीट से पिछली बार जीतने वाली अभिनेत्री नुसरत जहां को टिकट नहीं दिया है। संदेशखाली कांड के दौरान उनकी काफी किरकिरी हुई थी। इसी तरह बीरभूम व आसपास के जिलों में पार्टी के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी उठाने वाले बाहुबली नेता अणुब्रत मंडल भी पशु तस्करी मामले में दिल्ली के तिहाड़ जेल में हैं। पिछले चुनाव में पार्टी का मजबूत स्तंभ रहे पार्थ चटर्जी जेल में हैं, तो शुभेंदु अधिकारी भाजपा में।

इसके साथ ही तृणमूल कांग्रेस नागरिकता कानून का डर दिखा कर अल्पसंख्यक वोटरों को एकजुट करने के प्रयास कर रही है। मोटे अनुमान के मुताबिक, राज्य में इस तबके की आबादी 30 प्रतिशत से ज्यादा है। पार्टी भाजपा के राम मंदिर और नागरिकता कानून के मुद्दे को अपने सियासी हित में इस्तेमाल करते हुए इस तबके में बिखराव रोककर एकजुट करने का प्रयास कर रही है। पिछले चुनाव में अल्पसंख्यक वोटों के विभाजन के कारण भाजपा को उत्तर दिनाजपुर और मालदा जिलों की एक-एक सीट पर जीत मिली थी। तृणमूल कांग्रेस का लक्ष्य अबकी इस बिखराव को रोकना है।

दक्षिण बंगाल के पांच जिलों में फैले गंगा के मैदानी इलाकों में लोकसभा की 16 सीटें हैं। भाजपा ने पिछली बार इनमें से महज तीन सीटें जीती थीं। इन इलाकों में तृणमूल ने छह नए चेहरों को मैदान में उतारा है।

भाजपा उत्तर बंगाल में मजबूत समझी जाती है। पिछली बार उसने इलाके की आठ में सात सीटें जीत ली थीं, पर इस बार उसे वहां भी अंतरकलह से जूझना पड़ रहा है। उसकी सबसे बड़ी चिंता दक्षिण बंगाल में पार्टी का संगठन कमजोर होना है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के अलावा उसके पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है। जंगलमहल इलाके में लोकसभा की आठ सीटें हैं। पिछली बार इनमें से भाजपा को पांच और तृणमूल को तीन सीटें मिली थीं, पर तब मेदिनीपुर इलाके के धाकड़ नेता शुभेंदु अधिकारी तृणमूल में थे। उनके 2019 में भाजपा में जाने के बाद सियासी समीकरण बदला है।

कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट ने तृणमूल पर भाजपा से तालमेल का आरोप लगाते हुए अपना चुनाव अभियान शुरू किया है। दिलचस्प बात यह है कि ममता बनर्जी भी इंडिया ब्लॉक के इन दोनों सहयोगी दलों के खिलाफ यही यानी भाजपा से गोपनीय तालमेल के आरोप लगा रही हैं। तय है, भाजपा और तृणमूल के बीच कांटे की टक्कर में गंगा के मैदानी इलाकों के साथ ही, जंगलमहल इलाका, उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल का मतुआ बहुल इलाका अहम भूमिका निभाएगा। पश्चिम बंगाल में पहले चरण में जिन तीन सीटों पर मतदान होना है वहां भाजपा की साख दांव पर है। इसकी वजह यह है कि पिछले चुनाव में उसने यह तीनों जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और अलीपुरदुआर सीटें जीती थी। इस बार पार्टी के सामने उन पर कब्जा बरकरार रखने की चुनौती है। वैसे, भी उत्तर बंगाल इलाके को भगवा पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता है। वर्ष 2019 में पार्टी ने इलाके की आठ में में से सात सीटें जीती थी जिनमें से छह सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। इस बार सीधे मुकाबले में तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा से इन सीटो को छीनने के लिए कमर कस ली है। लेकिन इन तीनों सीटों पर भाजपा मामूली बढ़त की स्थिति में है। दिलचस्प बात यह है कि इन तीन सीटों के लिए जो 37 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं उनमें से दस करोड़पति हैं। इनमें से खासकर कूचबिहार सीट सबसे अहम है। दरअसल, पिछली बार यहां जीते भाजपा के निशीथ प्रामाणिक फिलहाल केंद्रीय गृह राज्यमंत्री हैं और इस बार भी वह मैदान में हैं। लेकिन हाल के दिनो में यह इलाका भाजपा और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पों के कारण सुर्खियों में रहा है। राज्य सरकार के मंत्री उदयन गुहा के साथ उनका छत्तीस का कड़ा है। टीएमसी ने यहां जगदीश चंद्र बसुनिया को मैदान में उतारा है। इन दोनों के बीच अबकी कड़ी टक्कर की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक ही दिन कुछ घंटे के अंतराल पर इलाके में चुनावी रैलियों को संबोधित कर चुकी हैं। इससे इस सीट की अहमियत समझ में आती है।

इस इलाके के जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए ही भाजपा ने अनंत राय महाराज को अपना राज्यसभा उम्मीदवार बनाया था। वे पार्टी के टिकट पर ऊपरी सदन में पहुंचने वाले राज्य के पहले व्यक्ति हैं।

कूचबिहार से सटी जलपाईगुड़ी सीट पर टीएमसी उम्मीदवार निर्मल कुमार राय का मुकाबला भाजपा के जयंत कुमार राय से है। इस संसदीय इलाके में दलितों और आदिवासियों की भरमार है। ज्यादातर चाय बागान भी इसी इलाके में हैं। पिछली बार जयंत राय ने करीब 1.85 लाख वोटों के अंतर से यहां जीत हासिल की थी।

नाटोः मुख्य मकसद सदस्य देशों की सुरक्षा-स्वतंत्रता को सहेजना इसका आधार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और जनादेश बने

अपनी स्थापना की 75वीं वर्षगांठ पर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के समक्ष यूरोप के कुछ देशों द्वारा गंभीर आलोचना और दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी आंदोलनों के प्रसार से निपटने की प्रमुख चुनौती है। इसलिए नाटो को 21वीं सदी में प्रासंगिक बने रहने के लिए सतर्क और संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी आक्रामकता से निपटने के लिए इस संगठन में शामिल होने के अमेरिकी प्रस्ताव को भारत पहले ही ठुकरा चुका है, क्योंकि भारत ऐसी किसी भी परिस्थिति का सामना करने में खुद सक्षम है। इसलिए उसे नाटो की सहायता की जरूरत नहीं है। अगर भारत नाटो का हिस्सा बनता है, तो उसे अमेरिका को सैन्य अड्डा स्थापित करने की मंजूरी देनी होगी, जो अस्वीकार्य है। ऑस्ट्रेलिया, इस्राइल, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे अमेरिकी सहयोगियों ने सैन्य अड्डे स्थापित करने की अनुमति दे दी है, लेकिन भारत अपनी संप्रभुता का उल्लंघन करने और वैश्विक जगत में अपनी स्थिति को कमजोर करने की अनुमति नहीं दे सकता है। भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए रूस के साथ वर्षों पुराने भरोसेमंद रिश्तों को खराब नहीं करेगा, जिसकी अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ यूक्रेन युद्ध के बाद संघर्ष जैसी स्थिति है। दरअसल अमेरिका की संसदीय समिति ने सिफारिश की थी कि चीन से सीमाओं की रक्षा करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी आक्रामकता का सामना करने के लिए नाटो को मजबूत करना चाहिए। नाटो में 32 सदस्य देश हैं। इसके अलावा पांच देश- जापान, न्यूजीलैंड, इस्राइल, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया भी इससे जुड़े हैं। इन सभी देशों को आपसी भरोसा और बेहतर सहयोग के लिए अपनी रक्षा क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाना चाहिए। दूसरा, नाटो की सैन्य क्षमता को अमेरिकी हथियार और औजार की तरह देखा जाता है, जिसका इस्तेमाल वह राष्ट्रों पर अपना प्रभुत्व जमाने के लिए करता है, भले ही उन देशों के ऊपर कोई सैन्य संकट न भी हो। दरअसल नाटो की स्थापना के इन 75 वर्षों में अमेरिकी सर्वोच्चता की धारणा को दूर करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इस दौरान नाटो ने दुनिया भर में करीब 200 सैन्य हस्तक्षेप किए हैं, जिससे उसकी विश्वसनीयता खतरे में है। इनमें से बीस ऐसे मामले रहे, जिनके परिणाम संदिग्ध रहे, जैसे अफगानिस्तान में आतंकवाद का मुकाबला, सीरिया में गैर-कानूनी हस्तक्षेप, इराक पर आक्रमण, यूगोस्लाविया पर बमबारी, लीबिया को बर्बाद करना और आईएसआईएस का निर्माण। तीसरा, नाटो के महासचिव लेंस स्टोलनबर्ग ने यूक्रेन को पांच वर्ष तक सैन्य सहायता देने के लिए 100 अरब डॉलर के सहायता पैकेज का प्रस्ताव रखा। आशंका है कि यदि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप जीतते हैं, तो वे इस सहायता को रोक सकते हैं, क्योंकि वह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वह अपने देश को इस तरह के संघर्षों से दूर रखना चाहते हैं। साथ ही उनको पुतिन समर्थक भी माना जाता है, जो नाटो को परेशान कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि उक्त प्रस्ताव को आगामी वॉशिंगटन बैठक में मंजूरी मिल जाएगी, ताकि यूक्रेन में रूस की आक्रामकता का मुकाबला किया जा सके। विदेश नीति के विशेषज्ञों का मानना है कि नाटो को अपने सहयोगियों को अपरंपरागत खतरों, जैसे आतंकी हमला, भ्रामक प्रचार अभियान, साइबर हमले, आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के जोखिमों, आदि से बचाना होगा, अन्यथा यह अपनी साख और प्रभाव खो देगा। दूसरा, नाटो को व्यापक रणनीति अपनानी होगी और यह तभी होगा, जब वह अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के साथ अंतरराष्ट्रीय संगठनों से खुद को जोड़ेगा। तीसरा, इसे ऐसा तंत्र बनाना चाहिए, जिससे सदस्य देशों के बीच परस्पर सहयोग और एकता की भावना बनी रहे। आम सहमति संगठन का मुख्य उद्देश्य होनी चाहिए, जो आपसी चर्चा, संवाद, एकीकृत योजना और राजनीतिक गठबंधन जैसे आवश्यक घटकों द्वारा निर्देशित हो। चौथा, इसकी पांच मुख्य नीति निर्माण समितियों के बीच समन्वय में सुधार के अलावा आपसी विश्वास और आंतरिक तालमेल बनाने के लिए पारदर्शिता अनिवार्य है।

संगठन की सफलताएं और विफलताएं साथ चलती हैं, लेकिन प्रमुख शक्तियों के बीच संघर्ष फैल रहा है और भविष्य में मुठभेड़ें हो सकती हैं, जिसका कारण राज्य की बढ़ती कमजोरी और खतरों का फैलना है, जिससे विश्व व्यवस्था में गड़बड़ी हो सकती है। वैश्विक जोखिम रिपोर्ट ने वैश्विक जोखिम धारणा सर्वेक्षण (जीआरपीएस) के निष्कर्षों को 1,500 वैश्विक विशेषज्ञों के विश्लेषण के रूप में पेश किया है, जिन्होंने मौजूदा संकटों को संतुलित करने के लिए जिम्मेदार निर्णयों के पीछे के मस्तिष्क का समर्थन करने के लिए वैश्विक जोखिमों और दीर्घकालिक नीतियों के साथ-साथ प्राथमिकताओं की भी जांच की है। नाटो की प्रमुख विफलताओं में से एक सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों द्वारा 2006 में सुरक्षा संबंधी व्यय के लिए सहमति के बावजूद जीडीपी के दो फीसदी धन का आवंटन न होना है, खासकर तब, जब अमेरिका गठबंधन के खर्च का दो तिहाई हिस्सा लेता है, जिसे संगठन के अन्य देशों द्वारा साझा किया जाना चाहिए। नाटो ने शीत युद्ध के दौरान साम्यवाद को प्रतिबंधित करने, उग्र राष्ट्रवाद को खत्म करने और सोवियत संघ को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित किया था। लेकिन अब शीतयुद्ध के बाद स्थिति अस्थिर हो गई है, क्योंकि रूस पड़ोसियों पर कब्जा कर रहा है, जो अन्य छोटे देशों के लिए खतरा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहे नाटो के लिए यह समय परीक्षा की घड़ी की तरह है, जिसे अपने सदस्य देशों की सुरक्षा और स्वतंत्रता के मुख्य उद्देश्य की रक्षा करनी है, जो सैद्धांतिक रूप से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और जनादेश पर आधारित होना चाहिए। लेकिन ट्रंप यदि राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतते हैं, तो यह नाटो के अस्तित्व के लिए खतरनाक होगा। इससे पुतिन जैसे आक्रामकों को प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में ताइवान पर कब्जा करने की चीन की अति महत्वाकांक्षी विस्तार नीति को बढ़ावा मिलेगा। डोनाल्ड ट्रंप पुतिन को यूक्रेन पर हमले जारी रखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, जो यूरोप की सुरक्षा को खतरे में डाल देगा।

भस्मारती में त्रिनेत्र से सजे बाबा महाकाल मुंड माला पहनकर भक्तों को दिए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज चैत्र शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर शुक्रवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट, रुद्राक्ष और पुष्पों की माला धारण करवाई गई।

आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि शुक्रवार की भस्मआरती में बाबा महाकाल का त्रिनेत्र और मुंड माला से श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

नवरात्रि के चौथे दिन करें मां कूष्मांडा की पूजा

चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन देवी दुर्गा के कूष्मांडा स्वरूप की पूजा का विधान है, जिनकी साधना करने पर साधक के जीवन से जुड़े सभी कष्ट दूर और कामनाएं पूरी होती है। देवी कूष्मांडा की आठ भुजाएं हैं, इस कारण उन्हें अष्टभुजा देवी के नाम से जाना जाता है। उनके साथ हाथों में क्रमशः कमण्डलु, धनुष, बाण, कमल पुष्प, अमृत पूर्ण कलश, चक्र और गदा सुशोभित है। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जपमाला है। मां कूष्मांडा का वाहन सिंह है। चतुर्थ नवरात्रि की शुरुआत मां कूष्मांडा के स्मरण के साथ करें। उनके बीज मंत्र का जाप और आराधना करें। साथ ही अपने परिजनों और करीबियों को मां कुष्मांडा के मंत्र, श्लोक आदि को भेजकर नवरात्रि के चौथे दिन की शुभकामना दें।

मां को क्यों कहते हैं कुष्मांडा- देवी कुष्मांडा की महिमा के बारे में देवी भागवत पुराण में विस्तार से बताया गया है मां दुर्गा के चौथे रूप ने अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की थी, इसलिए मां का नाम कुष्मांडा देवी पड़ा। ऐसी मान्यता है कि सृष्टि के आरंभ में चारों तरफ अंधियारा था और मां ने अपनी हल्की हंसी से पूरे ब्रह्मांड को रच डाला। सूरज की तपिश को सहने की शक्ति मां के अंदर है।

ऐसा है मां कुष्मांडा का रूप- मां कुष्मांडा का स्वरूप बहुत ही दिव्य और अलौकिक माना गया है। मां कुष्मांडा शेर की सवारी करती हैं और अपनी आठ भुजाओं में दिव्य अस्त्र धारण की हुई हैं। मां कुष्मांडा ने अपनी आठ भुजाओं में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र धारण की हुई हैं। मां का यह रूप हमें जीवन शक्ति प्रदान करने वाला माना गया है।

मां कुष्मांडा का भोग- मां कुष्मांडा की पूजा में पीले रंग का केसर वाला पेठा रखना चाहिए और उसी का भोग लगाएं। कुछ लोग मां कुष्मांडा की पूजा में समूचे सफेद पेठे के फल की बलि भी चढ़ाते हैं। इसके साथ ही देवी को मालपुआ और बताशे भी चढ़ाने चाहिए।

बॉक्स ऑफिस पर विजेता बनकर उभरी बड़े मियां छोटे मियां, पहले ही दिन रिकॉर्ड तोड़ की इतने करोड़ की कमाई

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर बड़े मियां छोटे मियां ने सिनेमाघरों में धूम मचा दी है। पूजा एंटरटेनमेंट की पावर पैक्ड एक्शन थ्रिलर बड़े मियां छोटे मियां ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। इस पावर पैक्ड एक्शन फिल्म को भारत में ही नहीं दुनियाभर में दर्शक पसंद कर रहे हैं। चलिए आपको बताते हैं कि फिल्म ने अपनी रिलीज के पहले दिन कितनी कमाई की।

ईद की छुट्टी का मिला फायदा अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित बड़े मियां छोटे मियां ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग ली है। फिल्म में फर्स्ट डे दुनियाभर में 36.33 करोड़ के कारोबार के साथ बॉक्स ऑफिस विजेता बनकर उभरी है। ईद के मौके पर रिलीज हुई इस फिल्म को त्योहार की छुट्टियों का खासा फायदा मिला है। फिल्म की रोमांचक कहानी और एक्शन सीक्वेंस दर्शकों को खूब रोमांचित कर रहे है। फिल्म के शानदार दृश्य और कलाकारों के दमदार प्रदर्शन की भी खूब सराहना हो रहा है। इंडस्ट्री के गलियारों में चर्चा ये भी है कि बड़े मियां छोटे मियां बॉक्स ऑफिस पर लंबी दौड़ दौड़ने वाली है।

वीकएंड तक ब्लॉकबस्टर होने की उम्मीद फिल्म की रिलीज के बाद से सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ बढ़ गई है. वहीं, टिकटों की बिक्री में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। उम्मीद है कि वीकएंड को नजदीक आते-आते फिल्म ब्लॉकबस्टर हो जाएगी। वाशु भगनानी और पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म को दुनियाभर में हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज किया गया है। फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, सोनाक्षी सिन्हा, अलाया एफ और मानुषी छिल्लर भी अहम किरदार में नजर आ रहे हैं।

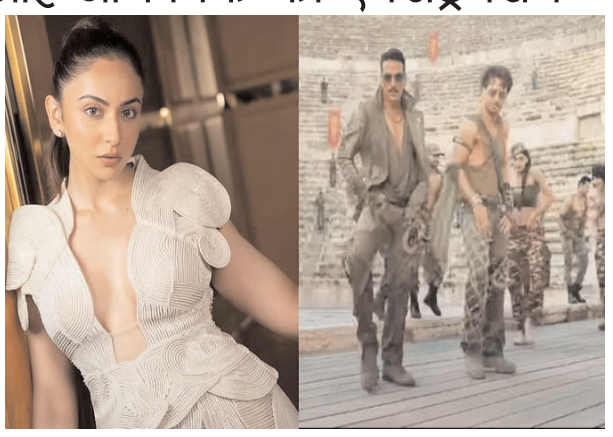

नितेश तिवारी की 'रामायण' का आधिकारिक एलान, यश ने मिलाया डीएनईजी से हाथ, कलाकारों का खुलासा नहीं

'ड्यून 2' और 'गॉडजिला × कॉन्ग' जैसी हॉलीवुड की तमाम ब्लॉकबस्टर फिल्मों और भारतीय फिल्मों के लिए स्पेशल इफेक्ट्स वाले दृश्य तैयार करने वाली कंपनी डीएनईजी की मातृ कंपनी प्राइम फोकस ने निर्देशक नितेश तिवारी की बहुचर्चित फिल्म 'रामायण' में निवेश करने का फैसला किया है। साउथ सिनेमा के अभिनेता यश के इस फिल्म से बतौर कलाकार हटने और बतौर निर्माता जुड़ने के बाद फिल्म निर्माताओं ने इस फिल्म को लेकर ये पहला आधिकारिक एलान किया है। फिल्म के कलाकारों के बारे में इस घोषणा में कोई विवरण शामिल नहीं है। कई एकेडमी अवॉर्ड विजेता विजुअल इफेक्ट्स कंपनी डीएनईजी के ग्लोबल सीईओ नमित मल्होत्रा पिछले कई साल से महाकाव्य 'रामायण' को बड़े पर्दे पर लाने की योजना बनाते रहे हैं। निर्देशक नितेश तिवारी के साथ मिलकर नमित और अभिनेता यश ने इस साझेगारी की शुरुआत की है। नमित कहते हैं, बरसों तक अमेरिका, ब्रिटेन और भारत में मैंने काम किया है। हमारी कंपनी पिछले 10 साल में किसी दूसरे कंपनी से ज्यादा ऑस्कर जीत चुकी है। मेरी खुद की यात्रा ने मुझे उस बिंदु पर पहुंचा दिया है, जहां मैं रामायण की अद्भुत कहानी के साथ न्याय करने के लिए तैयार महसूस कर रहा हूं। वह इसे मैं सम्मान और श्रद्धा के साथ प्रस्तुत करने के लिए हूं, जिसकी वह हकदार है। नामित कहते हैं, मेरे सामने शुरुआत से ही दो तरह की चुनौतियां रही हैं- एक ऐसी कहानी की पवित्रता का सम्मान करना, जिसकी जगह सभी के दिलों में है और जिसके साथ वे बड़े हुए हैं, और साथ ही दूसरी चुनौती यह है कि इसे दुनिया के सामने इस तरह से लाना कि यह अविश्वसनीय कहानी इंटरनेशनल दर्शकों द्वारा एक आकर्षक बड़े पर्दे के अनुभव के रूप में अपनाया जाए। फिल्म 'रामायण' में अपने पार्टनर बने यश के बारे में नमित कहते हैं, यश में संस्कृति को सबसे अच्छी तरीके से दुनिया के सामने पेश करने की आकांक्षा को मैंने पहचाना है। उनकी 'केजीएफ चैप्टर 2' की अनोखी इंटरनेशनल सफलता भारतीय सिनेमा के लिए एक मिसाल है। मुझे यह लगता है कि मुझे उनसे बेहतर साथी नहीं मिल सकता है। ऐसे में इस सबसे बड़े महाकाव्य की कहानी के लिए दुनिया भर में प्रभाव बनाने के लिए उनसे बेहतर कोई नहीं हो सकता। इस बारे में यश कहते हैं, मेरा लंबे समय से लक्ष्य रहा है कि मैं ऐसी फिल्में बनाऊं जो भारतीय सिनेमा को एक ग्लोबल लेवल पर दिखाए। अब उस लक्ष्य को पाने के लिए, मैं लॉस एंजिलिस में था ताकि मैं विजुअल इफेक्ट्स के लिए लोगों से बात कर सकूं। डीएनईजी से बात करने के दौरान मैं ये जानकर हैरान हुआ कि इसका विजनरी एक भारतीय हैं। नमित और मैंने कई विचारों पर काम किया है। इसके लिए कुछ दृश्य भी फिल्माए हैं। और आश्चर्य की बात यह है कि इंडियन सिनेमा को लेकर हमारे विचार एक जैसे थे। नमित मल्होत्रा के मुताबिक, 'रामायण' एक ऐसी भारतीय फिल्म होगी जो दुनिया के सामने भारतीय संस्कृति को अब तक के सबसे भव्य तरीके से पेश करेगी। हम इस महाकाव्य को बिना किसी समझौते के बताएंगे, और इस तरह से प्रस्तुत करेंगे कि भारतीयों का दिल गर्व से भर जाएगा और वे अपनी संस्कृति को इस तरह से दुनिया के बाकी हिस्सों में ले जाएंगे।

रकुल ने पति जैकी पर लुटाया प्यार, फिल्म को देखकर याद आई जॉन विक की एक्सट्रैक्शन

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां 11 अप्रैल को ईद के मुबारक मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है जबकि फिल्म के निर्माता हैं जैकी भगनानी, वासु भगनानी, हिमांशु किशन मेहरा और दीपशिखा देशमुख। इस फिल्म में अक्षय और टाइगर के अलावा अलाया एफ, मानुषी छिल्लर और पृथ्वीराज सुकुमारन ने अहम किरदार निभाया है। फिल्म को लेकर लगातार दर्शकों के रिव्यूज आ रहे हैं। इस सूची में अब एक और नाम जुड़ गया है अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह का। धमाकेदार एक्शन से सजी इस फिल्म की रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर दर्शकों के रिव्यूज आने शुरू हो गए थे। ऐसे में अब फिल्म के निर्माता और अभिनेता जैकी भगनानी की पत्नी और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर दर्शकों की राय लगातार सोशल मीडिया पर आ रही है। इसी बीच रकुल ने अपने पति जैकी भगनानी की तारीफ के साथ फिल्म की जमकर तारीफ की। रकुल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें अभिनेत्री ने लिखा, फिल्म बड़े मियां छोटे मियां कितनी शानदार, दमदार फिल्म है। गजब के पागलपन भरे एक्शन सीक्वेंस और साथ ही जोरदार हास्य और ब्रोमांस का मेलजोल। सभी का कातिलाना प्रदर्शन लाजवाब है। इस फिल्म ने मुझे जॉन विक, एक्सट्रैक्शन की याद दिला दी। कृपया इसे सिनेमाघरों में देखें दोस्तों। आगे रकुल ने पति जैकी की तारीफ में लिखा, आप (जैकी) पर बहुत गर्व है। इस पैमाने की फिल्म बनाने के लिए हिम्मत की जरूरत होती है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के साथ ही 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में अजय देवगन की फिल्म मैदान भी रिलीज हुई थी। इन दोनों ही फिल्म की शुरुआत काफी धीमी हुई लेकिन दोनों ही फिल्मों में रिलीज के बाद कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है।

अमर सिंह चमकीला की स्क्रीनिंग में कार्तिक-तृप्ति का जलवा, एआर रहमान भी आए नजर

अमर सिंह चमकीला की डिजिटल रिलीज से एक दिन पहले इसके निर्माताओं ने मुंबई में एक विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की थी, जिसमें फिल्म बिरादरी के कई सेलेब्स शामिल हुए। फिल्म की मुख्य जोड़ी दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा भी मौजूद थे, जो पंजाबी लोक गायक चमकीला और अमरजोत की भूमिका निभा रहे हैं। दोनों कलाकार अपने निर्देशक इम्तियाज अली के साथ पोज देते नजर आए। आइए जानते हैं कि स्क्रीनिंग में किन सितारों ने शिरकत की।

शक्ति का रूप धरे खेतों में नजर आईं हेमा मालिनी, महिला किसानों के साथ काटी गेहूं की फसल

बॉलीवुड अभिनेत्री और मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी इन दिनों लोकसभा चुनावों के प्रचार में व्यस्त हैं। हाल ही में वह उत्तर प्रदेश के किसानों से मिलने पहुंचीं। अभिनेत्री गेहूं के खेतों में नजर आईं। उन्होंने महिला किसानों के साथ फसल काटी। हेमा मालिनी ने तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। हेमा मालिनी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर तस्वीरें पोस्ट की हैं। उन्होंने लिखा है, आज मैं खेतों में गई और किसानों से मुलाकात की, जिनसे मैं दस सालों से निरंतर मिल रही हूं। अपने बीच मुझे पाकर वे बेहद खुश हुईं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैं उनके साथ तस्वीरें खिंचवाऊं। मैंने भी उनकी बात रखी और वैसा ही किया।हेमा मालिनी उत्तर प्रदेश के मथुरा में दो कार्यकाल से भाजपा सांसद हैं। पिछले दस वर्षों संसदीय क्षेत्र में सेवा कार्यकाल के बाद अब अभिनेत्री तीसरे कार्यकाल के लिए चुनावी मैदान में हैं। इन दिनों वह प्रचार अभियान में जुटी हैं। लोगों से मिल रही हैं। हाल ही में खेतों में किसानों से मिलकर वह बेहद खुश हुईं। हेमा मालिनी उत्तर प्रदेश के मथुरा में दो कार्यकाल से भाजपा सांसद हैं। पिछले दस वर्षों संसदीय क्षेत्र में सेवा कार्यकाल के बाद अब अभिनेत्री तीसरे कार्यकाल के लिए चुनावी मैदान में हैं। इन दिनों वह प्रचार अभियान में जुटी हैं। लोगों से मिल रही हैं। हाल ही में खेतों में किसानों से मिलकर वह बेहद खुश हुईं। बात करें लोकसभा चुनावों की तो पहले चरण के लिए मतदान 19 अप्रैल से शुरू होंगे। हेमा मालिनी के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने कई दमदार फिल्में दी हैं। अभिनेत्री ने फिल्मी करियर की शुरुआत राज कपूर के साथ फिल्म सपनों का सौदागर से की थी। अभिनय के अलावा वह प्रशिक्षित नृत्यांगना भी हैं।

प्रियंका के साथ इस फिल्म में दिलजीत करने वाले थे रोमांस, बोनी कपूर ने बताया- क्यों नहीं बनाई फिल्म

दिलजीत दोसांझ अपनी नई फिल्म चमकीला को लेकर चर्चा में है। फिल्म में दिलजीत परिणीति चोपड़ा के साथ नजर धमाल मचाएंगे, लेकिन क्या आप जानते है कि प्रियंका चोपड़ा से पहले दिलजीत दोसांझ देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा का फिल्म करने वाले थे। हाल ही में एक साक्षात्कार में निर्माता बोनी कपूर ने इसका खुलासा किया। बोनी कपूर ने यह भी बताया कि यह फिल्म क्यों नहीं बनी।गौरतलब है कि बोनी कपूर अपने प्रोडक्शन हाउस की फिल्म मैदान को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है, जिसे दर्शकों की अछी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान बोनी कपूर ने साक्षात्कार में बताया कि उन्होंने दिलजीत और प्रियंका को एक फिल्म के लिए साइन भी कर लिया था।दरअसल, मैदान के प्रमोशन के दौरान एक साक्षात्कार में बोनी कपूर ने अपनी आगामी फिल्म नो एंट्री 2 को लेकर भी बात की। फिल्म में दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अर्जुन कपूर के काम करने की चर्चा है। इस दौरान बोनी कपूर ने कहा, दिलजीत एक अछे अभिनेता है। बहुत समय पहले मैंने उनके और प्रियंका चोपड़ा के साथ लेकर एक फिल्म की योजना बनाई थी। इस फिल्म का नाम सरदारनी रखा गया था। इस दौरान प्रियंका को क्वांटिको के लिए हॉलीवुड जाने ऑफर मिला और उन्होंने हमसे कुछ समय इंतजार करने के लिए बोला।बोनी कपूर ने आगे बताया कि हमने प्रियंका के वापस लौटने तक इंतजार करने का फैसला किया था, लेकिन इस बीच प्रियंका ने क्वांटिको के दूसरा सीजन भी साइन कर लिया। इसके बाद हमें हार माननी पड़ी। क्योंकि प्रियंका वहां कई अन्य प्रोजेक्टस में व्यस्त हो गई थीं, जिसके बाद इस फिल्म की योजना को छोड़ना पड़ा। इस दौरान बोनी कपूर ने दिलजीत दोसांझ की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मैंने उनकी पंजाबी और हिंदी दोनों फिल्में देखी हैं, उनमें कॉमेडी की शानदार समझ है और उनकी कॉमिक टाइमिंग जबर्दस्त है। किसी भी फिल्म एक फ्रेश करने के लिए नए कलाकारों का होना हमेशा अछा होता है।

इमरान हाशमी और मल्लिका के बीच दिखी सिजलिंग केमिस्ट्री, लोगों को याद आए मर्डर वाले दिन

इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत की जोड़ी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे मशहूर जोड़ियों में से एक है। दर्शकों को आज भी उनकी सिजलिंग केमिस्ट्री याद है। दोनों ने एक साथ मर्डर फिल्म में काम किया था। वहीं कल रात एक बार फिर दोनों सितारों को एक साथ देखा गया। सोशल मीडिया पर मल्लिका और इमरान की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। आइए आपको बताते हैं दोनों कब और कहां मिले---

बॉलीवुड के मशहूर निर्माता आनंद पंडित की बेटी की रिशेप्शन के मौके पर बॉलीवुड के कई सितारों ने अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई, लेकिन महफिल मल्लिका शेरावत और इमरान हाशमी लूट कर ले गए। मर्डर फेम मल्लिका शेरावत कल रात एक रिशेप्शन पार्टी में पहुंची। जिस समय वे पैपराजी को पोज देने के लिए आ रही थीं उसी समय वहां इमरान हाशमी भी मौजूद दिखे। दोनों एक-दूसरे से प्यार से मिले और बातें करने लगे। यह देखकर पैपराजी ने इमरान और मल्लिका से आग्रह किया कि वे एक साथ पोज दें और फिर क्या था दोनों कैमरे के सामने कई प्यारे पोज देते नजर आए। सोशल मीडिया पर मल्लिका और इमरान को यूं एक साथ देखकर दर्शक उनकी फिल्म मर्डर की यादों में खो गए हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है, मल्लिका जरा भी नहीं बदली हैं। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है, दोनों एक साथ कितने प्यारे लग रहे हैं, इन्हें फिर से साथ में काम करना चाहिए। आपको बताते चलें मल्लिका शेरावत गुलाबी रंग के लो-कट गाउन में बेहद हसीन लग रही थीं। वहीं शोटाइम स्टार इमरान काले रंग के कोट में जंच रहे थे। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं।

बनारस के रस से बनी मुंबई रास आ गई, बहुत प्यासा था समंदर नदी पास आ गई..

कुछ साल पहले तक शादी-विवाह और उसके बाद बच्चों की परवरिश में खुद को तपा देने वाली करोड़ों महिलाओं में शामिल रहीं वाराणसी की अंकिता खत्री 'नादान' अब हिंदी सिनेमा में एक गीतकार और कथा लेखक के रूप में तेजी से उभरता नाम हैं। उनके लिखे भजनों को टी सीरीज जैसी म्यूजिक कंपनी ने हाथोंहाथ लिया है। उनकी लिखी कहानी पर वेब सीरीज बनने की तैयारियां हैं और ये सब अंकिता ने हासिल किया है मुंबई आने के सिर्फ चार साल के भीतर। अंकिता ने गीतकार के रूप में अपने जीवन की दूसरी पारी शुरू की है और उन तमाम महिलाओं के लिए एक प्रेरणा की तरह हैं जिन्हें लगता है शादी और बच्चे होने के बाद जीवन में कुछ नया करने कराने का समय गुजर चुका है। अंकिता से 'अपना अड्डा' सीरीज के तहत एक खास बातचीत।

फिल्म जगत में अपनी पहचान बनाने को मुंबई आना कब और क्यों हुआ?

5 नवंबर 2020 को जब पहली बार अकेले मुंबई के सफर पर मैं निकली तो मेरी उम्र 42 साल थी। यहां ज्यादा किसी को जानती नहीं थी और मुझे लगा था कि ये मेरी पहली और आखिरी यात्रा होगी। मेरे दो काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके थे तो जिनसे भी मिलती उन्हें ये पुस्तकें भेंट करती। इन्हीं दिनों 'मांझी द सेवियर' गीत का भी बीज पड़ा। मेरा पहला गीत 30 दिसंबर 2020 को उस यशराज फिल्म्स स्टूडियोज में रिकॉर्ड हुआ, जिसके लोगो वाली फिल्में देखते हुए मैं बड़ी हुई। यूं लग रहा था कि कोई सपना है जो मैं अब भी देख रही हूं। गाना और इसका वीडियो दोनों खूब लोकप्रिय हुए। मुझे इसके लिए पुरस्कार भी मिले और इसी गीत ने मेरे लिए टी सीरीज के दरवाजे खोले।

और, यहीं से आपका खुद पर भरोसा मजबूत हुआ..?

जी हां, कह सकते हैं। मैंने एक भक्ति गीत लिखा, 'सावन मा बाजे डमरू डम डम, नाचत भोला छम छम छम छम'। इसी गीत से मेरा पहला अनुबंध म्यूजिक कंपनी टी सीरीज से हुआ। इस गीत से मेरा हौसला इतना बढ़ा कि एक फिल्म के लिए मैंने सिर्फ 10 मिनट में तब मुखड़ा लिख दिया, जब मैं वाराणसी में एक कार्यक्रम में मंच संचालन के लिए तैयार हो रही थी।जोजो और अनुपमा चक्रवर्ती की आवाज में रिकॉर्ड हुआ ये गाना न्यू मिलेनियल्स की पसंद के मुताबिक लिखा गया है।

मुंबई आने के बाद किस बात ने आपके लिए सबसे ज्यादा उत्प्रेरक का काम किया?

मैं स्क्रीन राइटर्स एसोसिएशन के दफ्तर में अपनी एक एक स्क्रिप्ट रजिस्टर्ड करवाने गई थी। वहां मुझे 1935 से लेकर अब तक के तमाम लेखकों व गीतकारों की तस्वीरें सजावट के तौर पर लगी दिखीं। लेकिन, इतने सारे लोगों में एक भी महिला की तस्वीर नहीं थी। मतलब, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के इतिहास में महिलाओं का फिल्मी लेखन में योगदान या तो न के बराबर रहा है या फिर उन्हें इतनी मान्यता नहीं दी गई। इस घटना ने मुझे एक गीतकार के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा दी।

मैं काशीवासी संस्कृतिकर्मी रही हूं। फाइन आर्ट्स से एमए किया और टॉपर रही। अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया के लिए 19 साल की उम्र में कला समीक्षक का काम किया। एक पत्रिका का संपादन भी किया। प्रदर्शनियां आयोजित करना मेरा बड़ा शौक था लेकिन विवाह के बाद सब बंद हो गया। लेकिन, जैसे जैसे पारिवारिक जिम्मेदारियां घटनी शुरू हुईं तो साल 2007 में मैंने कथक सीखना शुरू किया। मैं घर का काम करके, बच्चों को सुलाकर जाती थी। पूरी क्लास में सब युवतियां ही होतीं, मैं अकेली दो बच्चों की मां वहां कथक सीखने जाया करती थी। इसके बाद मैंने दूसरों को नृत्य करना सिखाया और लंबे समय तक पारिवारिक कार्यक्रमों में नृत्य निर्देशन का काम किया।

आप तो मंच संचालन और एंकरिंग भी करती रही हैं, उससे क्या सहयोग मिला आपको गीतकार बनने में?

हां, कोई 12 साल हो गए निरंतर एंकरिंग और मंच संचालन में सक्रिय रहते हुए। दूरदर्शन के लिए भी काम किया। मुंबई के रॉयल ओपेरा हाउस में मैं हिंदी में मंच संचालन करने वाली पहली एंकर हूं। काव्य सम्मेलनों में काव्य पाठ करती रहती हूं। इस सबके दौरान मानवीय स्वभाव को पढ़ने और समझने का जो मौके मुझे मिलते हैं, उनमें से मैं जीवन के रस इकट्ठे करती रहती हूं। अनुभवों का ये पराग ही मेरे गीतों का मधु है।

दूसरी महिलाओं के लिए क्या संदेश देना चाहती हैं?

मेरा यही कहना है कि सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती। जीवन जब मौका दे तब अपना पूरा जोर लगा देना चाहिए। मैंने भी शादी और बच्चों के बाद कई वर्षों तक कोई व्यावसायिक कार्य नहीं किया लेकिन किसी न किसी कलात्मक गतिविधि में अवश्य संलग्न रही। इसी कारण मेरी प्रतिभा में जंग नहीं लगा। आज वही काम आ रहा है। पुरुष हो या महिला, नया जीवन आरंभ करने का फैसला हम कभी भी कर सकते हैं, बस समय की आंधी में दिल में कुछ कर गुजरने की आग को बुझने मत दीजिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपका कहा ट्वीट किया था, उसकी यादें मन में अब कैसी हिलोरें लाती हैं?

मोदी जी से मेरी पहली मुलाकात तब हुई थी जब वह प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र बनारस आए थे। मिलने वाले कुछ चुनिंदा लोगों में मेरा भी नाम था। मेरी उनसे कोई 12 मिनट बात हुई। फिर, 25 मार्च 2020 को मोदी जी से वर्चुअल संवाद का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान मेरा कहा जो रचता है वो बचता है मोदी जी को इतना पसंद आया कि इन्होंने इसे मेरे नाम के साथ अपने पर्सनल ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर दिया।

सोयाबीन और मील की उपलब्धता बीते साल से कम, कीमतों में तेजी जारी रहेगी

इंदौर। खाद्य तेलों के दाम चुनावी मौसम में तेजी की ओर है। दि सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (सोपा) की रिपोर्ट ईशारा दे रही है कि आने वाले दिनों में सोयाबीन और तेल दोनों के दामों में मंदी तो नहीं दिख रही। रिपोर्ट पर यकीन करें तो सोयाबीन के दाम मंडी में भले ही अभी निचले स्तर पर है, लेकिन आने वाले दिनों में बढ़ सकते हैं।दरअसल सोपा ने आइल ईयर 2023-24 यानी अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 तक की अवधि के लिए आंकलित मांग और आपूर्ति के आंकड़े जारी किए हैं। मार्च 2024 तक की अवधि का बीते वर्ष इस अवधि से तुलना भी की है। सोपा ने निर्यात, आयात और सोयाबीन क्रशिंग का डाटा भी जारी किया है। इसके अनुसार, इस साल सोयाबीन की उलब्धता घट रही है, जबकि निर्यात बढ़ा है। सोपा के अनुसार, 31 मार्च तक कुल 120 लाख टन सोया क्रशिंग हो चुकी है। सोयामील एक्सपोर्ट भी बढ़कर 18 लाख टन पर पहुंचा है। सबसे ज्यादा हमारा सोयामील ईरान, यूएई, बांग्लादेश और नेपाल ने खरीदा है। सोयाबीन की उलब्धता सोपा ने पिछले साल से कम बताई है। सोपा के अनुसार, बीते सीजन में क्रशिंग के लिए कुल 143 लाख टन से ज्यादा सोयाबीन उपलब्ध था। इस सीजन में 135 लाख टन ही उपलब्ध है। हालांकि मंडियों में आने वाले सोयाबीन की मात्रा मार्च समाप्ति तक बीते वर्ष के समान ही 77 लाख टन है। हालांकि क्रशिंग इस साल 67.50 लाख टन की हो चुकी है जो बीते वर्ष समान अवधि की तुलना में 2 लाख टन अधिक है। इसके अब कारोबारियों और किसानों के पास इस साल शेष स्टाक बीते साल से कम है। बीते साल 70.23 लाख टन के मुकाबले इस साल एक अप्रैल तक अब 64.83 लाख टन सोयाबीन शेष है। सोयामील का निर्यात तो बढ़ा, लेकिन अब मील का भी शेष स्टाक कम है। अब सिर्फ 1.80 लाख टन सोयामील ही स्टाक में है। बीते वर्ष इसके मुकाबले दो लाख टन सोयाबीन स्टाक में ज्यादा था। इस लिहाज से मांग और आपूर्ति का दबाव बढ़ने से सोयाबीन तेल, मील और सोयाबीन की कीमतों में आगे मंदी नहीं दिख रही। तंग आपूर्ति और अधिशेष स्टाक की कम मात्रा दामों में तेजी को बढ़ावा दे सकती है। ऐसे में उपभोक्ताओं और बाजार को महंगाई से मुक्ति मिलती नहीं दिख रही है।

कारोबारियों को हर सप्ताह दाल-दहलन का स्टाक आनलाइन करना होगा घोषित

इंदौर। बीते दिनों से दाल और दलहन के दामों में बेतहाशा तेजी के बाद अब सरकार फिर सख्ती के मूड में आ गई है। चुनावी मौसम में खाद्यान्न की महंगाई नियंत्रण के लिए ने कारोबारियों को साप्ताहिक रूप से दाल-दलहन का स्टाक आनलाइन घोषित करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकारों को आयातित पीली मटर के स्टाक पर भी निगरानी रखने का आदेश दे दिया है। इसके चलते गुरुवार को छावनी अनाज मंडी में तुवर में लेवाली कमजोर देखने को मिली है। इसके अलावा कुछ घबराहटपूर्ण बिकवाली भी बाजार में आने से तुवर में करीब 200 रुपये की गिरावट रही। वहीं, तुवर दाल में उपभोक्त मांग का दबाव अच्छी रहने से भाव में तेजी जारी रही। हालांकि तुवर में भी ज्यादा मंदी के आसार कम नजर आ रहे है। इधर, चना कांटा और काबुली चने में मांग का समर्थन अच्छा मिलने से भाव में बढ़त का सिलसिला जारी रहा। आयातित मसूर की आवक घटने के कारण इसके दामों मे भी सुधार रहा। वहीं चना दाल, तुवर दाल, उड़द दाल-मोगर में अच्छी डिमांड से भाव में तेजी रही।

कंटेनर में डॉलर चना बढ़कर 40/42 12200, 42/44 11900, 44/46 11600, 58/60 9800, 60/62 9700, 62/64 9600 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। दलहन के दाम - प्राइवेट कारोबार के दाम चना कांटा 5975-6100, विशाल 5850-6000, डंकी चना 5500-5750, मसूर 6100, तुवर महाराष्ट्र सफेद 11400-11700, कर्नाटक 11600-11900, निमाड़ी तुवर 9800-11100, मूंग 9000-9200, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000, गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2550, मालवराज गेहूं 2400-2450, लोकवन 2650-3100, पूर्णा 2560-2900 रुपये क्विंटल।

दालों के दाम - चना दाल 7900-8000, मीडियम 8100-8200, बेस्ट 8300-8400, मसूर दाल 7250-7350, बेस्ट 7450-7550, मूंग दाल 10550-10650, बेस्ट 10750-10850, मूंग मोगर 11450-11550, बेस्ट 11650-11750, तुवर दाल 14200-14300, मीडियम 15000-15100, बेस्ट 16000-16100, ए. बेस्ट 17000-17100, पैक्ड तुवर दाल नई 17200, उड़द दाल 11300-11400, बेस्ट 11500-11600, उड़द मोगर 11900-12000, बेस्ट 12100-12200 रुपये प्रति क्विंटल।। इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

त्योहारी ग्राहकी सिमटने से नारियल 100 रुपये टूटा, खोपरा बूरा में तेजी

इंदौर। बीते दिनों से दाल के दाम में आई तेजी से बेसन के दामों को सपोर्ट मिल रहा है। इस बीच वैवाहिक मांग भी बेसन में अच्छी निकल रही है। इसके चलते बेसन के दामों में उछाल देखा जा रहा है। बेसन 4100 रुपये (50 किलो) बिका। आटा-रवा के दाम भी ऊंचे हैं। आटा चक्की क्वालिटी 1460, रवा 1570, मैदा 1470 रुपये कट्टा बिका। नारियल में त्योहारी ग्राहकी लगभग सिमटने के साथ ही उत्पादक क्षेत्रों से आवक का प्रेशर बढ़ने से कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। गर्मी का सीजन होने के कारण छोटे व्यापारी आवश्यकता पूर्ति हेतु ही माल खरीद रहे है क्योंकि गर्मी में नारियल जल्दी खराब होने लगता है। इस वजह से गुरुवार को नारियल में करीब 100 रुपये प्रति बोरी की मंदी दर्ज की गई। नारियल की आवक दो गाड़ी की रही। इधर, खोपरा तेल की डिमांड जोर पकड़ने और तेल प्लांटों को पर्याप्त मात्रा में कच्छा माल नहीं मिलने के कारण खोपरा तेल के दाम लगातार बढ़ते जा रहे है, जिसका असर खोपरा बूरा पर भी देखा जा रहा है। हालांकि खोपरा बूरा में वैवाहिक सीजन वालों की लोकल के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की अच्छी डिमांड आने के कारण कीमतों मे तेजी दर्ज की गई। खोपरा बूरा बढ़कर नीचे में 2400 तथा ऊपर में 4500 रुपये (15 किलो) पर पहुंच गया। आगे भी बूरा में अच्छी मांग रहने की संभावना है। वहीं खोपरा गोला भी गर्मी के सीजन में जल्द खराब होने लगता है, जिसके चलते इसकी मांग बेहद कमजोर बनी हुई है। इस वजह से खोपरा गोला के दाम कुछ घटाकर बोले जा रहे हैं। खोपरा गोला में करीब पांच रुपये प्रति किलो की मंदी दर्ज की गई। नारियल 120 भरती 1900-2000, 160 भरती 1900-2000, 200 भरती 2050-2100, 250 भरती 2050-2100 रुपये प्रति बोरी के भाव रहे। खोपरा गोला बक्सा 120-135 कट्टे 110-111 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2400-4500 रुपये प्रति (15 किलो) के भाव रहे। दूसरी ओर शकर में जोरदार मांग बनी हुई है, जबकि आवक कम है जिससे शकर के दाम मजबूती पर टिके हुए हैं। दरअसल, मिलों में शकर के दाम ऊंचे बोले जा रहे है जिससे खुले बाजारों में फिलहाल शकर में मंदी की गुंजाइश नजर नहीं आ रही है। शकर नीचे में 3825 तथा ऊपर में 3900 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक पांच गाड़ी बताई गई। शकर और गुड़ के दाम - शकर 3825-3900, गुड़ करेली कटोरा 3700-3800, लड्डू 3900-4000, गिलास एक किलो 4600-4800, भैली 3500-3600 रुपये प्रति क्विंटल। नारियल - नारियल 120 भरती 1900-2000, 160 भरती 1900-2000, 200 भरती 2050-2100, 250 भरती 2050-2100 प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 115-135, कट्टे 110-111 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2400-4500, नारियल-बूरा अल्पाहार (1 किलो) 2750 प्रति 15 किलो ।

फलाहारी - साबूदाना सच्चासाबू एगमार्क (500 ग्राम) 7740, सच्चासाबू खीरदाना 7600, सच्चासाबू चीनीदाना 7830, सच्चासाबू फूलदाना 8190, साबूदाना चक्र एगमार्क 7440, शिवज्योति (1 किलो) 7360, गोपाल लूज (25 किलो) 6950, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम) 9790 प्रति क्विंटल। रायल रतन सच्चामोती (1 किलो) 7250, रायलरतन सच्चामोती (500 ग्राम) 7310 व लूज 6750, रायलरतन सच्चामोती पोहा एक किलो 5350 व 35 किलो पैकिंग में 4700, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये। पूजन सामग्री - केसर 190-210 ब्रांडेड 220-223, देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये।

मसालों के दाम - हल्दी निजामाबाद 180 से 210, हल्दी लालगाय 275-280 कालीमिर्च गारबल 555 से 565 एटम 575 से 580, मटरदाना 590 से 625, जीरा ऊंझा 290 से 310, मीडियम 320 से 340 बेस्ट 360-370 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1375-1425, मीडियम 1475-1575 और बेस्ट 1625-1675, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 1850-1900 मीडियम बोल्ड 2050 से 2100 बोल्ड 2250-2350 बेस्ट ए बोल्ड 2400-2650 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये।

सूखे मेवों के दाम - काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 550-570 बेस्ट 640-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 750-760 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

खेल

रोहित शर्मा के आउट होते ही बोला हार जाएगी मुंबई इंडियंस, बुजुर्ग को गवानी पड़ी जान

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग मैच को लेकर पूरे देश ही नहीं, विदेशों में भी लोगों की दीवानगी देखने को मिलती है। लेकिन महाराष्ट्र में एक ऐसी घटना घटी है जो कि हृदयविदारक है। आईपीएल की शुरुआत से ही मुंबई इंडियंस टीम के फैन्स दो हिस्सों में बंट चुके हैं। एक खेमा रोहित शर्मा को ही फिर से कप्तान देखना चाहता है और वर्तमान कप्तान हार्दिक पांड्या को हटाना चाहता है। महाराष्ट्र के एक गांव में आईपीएल मैच के दौरान ऐसा बहस हुआ कि एक को अपनी जान गंवानी पड़ गई। मुंबई इंडियंस के पिछले मैच के दौरान महाराष्ट्र में भी एक बुजुर्ग की हत्या कर दी है। उसने सिर्फ इतना अनुमान लगाया था कि मुंबई इंडियंस मैच हार जाएगी। यह घटना कोल्हापुर के हनमंतवाड़ी गांव की है। सरपंच का कहना है कि, यह एक छोटा सा गांव है, जहां ऐसे लोग हैं जिनके पास मामूली जमीन है। यहां कम कमाई वाले किसान हैं। हम बड़े शहरों की हलचल से बहुत दूर हैं। हालांकि, यह गांव भी देश के बाकी गावों की तरह आईपीएल के आकर्षण की जद में है। पिछले सप्ता ही यहां शाहू मार्केट यार्ड के बाहर एक फल विक्रेता ने आईपीएल को लेकर विभिन्न ऐप पर चलने वाले गेम में 1 करोड़ रुपये का जैकपॉट जीता। मीडिया की एक रिपोर्ट में पुलिस पाटिल रवि जाधव के हवाले से कहा, क्रिकेट हमेशा लोकप्रिय रहा है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल का पागलपन अकल्पनीय स्तर तक पहुंच गया है। लोग खुद को मुंबई इंडियंस या चेन्नई के कट्टर समर्थक के रूप में पहचानते हैं। लोग इसे अपने स्टेटस मैसेज के तौर पर डालते हैं। क्रिकेट एक हिस्सा है लेकिन आईपीएल के कारण नफरत बढ़ गई है। 27 मार्च को टिबिले और झांजगे आईपीएल देखने के लिए एक दोस्त के घर पर मिले थे। उनके साथ आधा दर्जन अन्य लोग भी शामिल थे। मुंबई इंडियंस और सन राइजर्स हैदराबाद के बीच मैथ था। सभी टीवी पर मैच देखने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस मैच में हैदराबाद ने मुंबई को 278 रनों का विशाल लक्ष्य दिया था। मुंबई ने तेज शुरुआत की, लेकिन जब रोहित शर्मा आउट हो गए तो टिबाइल ने मुंबई इंडियंस के कट्टर प्रशंसक झांजगे को ताना मारा। इससे झांजगे भड़क गए और दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। इसके बाद उसने टिबिले की पूरी तरह से पिटाई कर दी। उसे लाठियों से पीटा गया। कुछ स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, लेकिन तभी झांजगे का भतीजा सागर सामने आया और टिबिले के सिर के पीछे छड़ी से वार कर दिया। टिबिले अपने घर के दरवाजे तक पहुंचा और गिर गया। उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। दो दिन बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आपको बता दें कि दोनों के बीच रिश्ते खराब नहीं थी। लेकिन आईपीएल मैच की तरह दोनों एक दूसरे के जान के दुश्मन बन हए। सागर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने गांव के लोगों के साथ एक बैठक की और ग्रामीणों के बीच जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, किसी व्यक्ति को किसी विशेष चीज के प्रति कितना जुनूनी होना चाहिए? एक सीमा होनी चाहिए। इससे आप दूसरों के प्रति शत्रुता नहीं पाल सकते। अगर उनकी टीम हार जाती है तो लोग उदास भी हो जाते हैं, जैसे कोई मर गया हो। इसे कैसे संबोधित किया जा सकता है? क्या प्रशंसकों को शिक्षित करने की जिम्मेदारी बीसीसीआई को लेनी चाहिए?

पाकिस्तान दौरे पर रवाना होने से बाहर हुए न्यूजीलैंड के 2 और खिलाड़ी

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के पाकिस्तान दौरे का आगाज 18 अप्रैल से होने जा रहा है। 5 मैच की इस ञ्च20ढ्ढ सीरीज के शुरू होने से पहले मेहान टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। टीम के स्टार प्लेयर्स फिन एलन और एडम मिल्ने चोट के चलते इस दौरे से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इन दोनों खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया है। विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल और ऑलराउंडर जैक फॉल्क्स को पाकिस्तान दौरे के लिए न्यूजीलैंड के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्रेस रिलीज के अनुसार, आज शाम की रवानगी से पहले ट्रेनिंग के दौरान एलन को पीठ में चोट लगी और मिल्ने को टखने में चोट लगी। उनकी चोटों की प्रकृति का मतलब है कि वे अगले हफ्ते रावलपिंडी में शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज में से एक भी मैच में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। क्रिकेट में उनकी वापसी की योजना की पुष्टि आने वाले हफ्तों में की जाएगी। प्रेस रिलीज में आगे लिखा गया है, विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल और ऑलराउंडर जैक फॉल्क्स को रिप्लेसमेंट के रूप में स्क्वॉड में चुना गया है। फाउलकेस पहली बार ब्लैककैप्स टीम में शामिल हुए हैं, जबकि अनुभवी ब्लंडेल ने पिछले साल पाकिस्तान का दौरा किया था और विकेटकीपिंग और शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी के मामले में ठोस कवर प्रदान करेंगे। कोच गैरी स्टीड ने टीम के दो मुख्य खिलाड़ियों का टूर पर रवाना होने से पहले ऐसे चोटिल होना दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, हमें फिन और एडम दोनों के लिए दुख है, जो दौरे की शुरुआत से पहले चोटों से जूझ रहे हैं। वे पिछले वर्ल्ड कप के बाद से टी20 फॉर्मेट में हमारे लिए मजबूत प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। हमारा सहयोगी स्टाफ और मेडिकल नेटवर्क अगले कुछ हफ्तों में दोनों खिलाड़ियों के साथ मिलकर उनके इलाज और उसके बाद क्रिकेट में वापसी की योजना को पूरा करने के लिए काम करेंगे।

पाकिस्तान दौरे के लिए न्यूजीलैंड टीम

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, बेन लिस्टर, कोल मैककोन्ची, जिमी नीशम, विल ओ'रूर्के, टिम रॉबिन्सन, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी, टॉम ब्लंडेल, जैक फॉल्क्स

कटनी में ईद के दिन मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाज अदा करने पहुंचे लोगो

एक दूसरे को गले लगाकर ईद पर्व की शुभकामनाएं दी।

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, ईद पर पर कटनी शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मुस्लिम समाज ने विशेष नमाज अता कर देश की खुशहाली व अमन चैन की दुआ मांगी। शहर के आदर्श कॉलोनी स्थित की ईदगाह में विशेष नमाज अता की गई। यहां पर बड़ी संख्या में सुबह से मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे और नमाज अता करने के साथ एक दूसरे को गले लगाकर ईद पर्व की शुभकामनाएं दी। वहीं मिशन चौक नगीना मस्जिद में भी सैकड़ों लोगों ने विशेष नमाज अता करते हुए अमन चैन व खुशहाली की दुआएं मांगी। शहर की एक दर्जन मस्जिदों में सुबह से नमाज अता करने बड़ी संख्या में समाज के लोग पहुंचे। शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी नमाज अता कराई गई और लोगों ने एक दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। ईदगाह में अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीएम सहित थाना प्रभारी मौजूद थे।

मप्र, कटनी में क्राइम ब्रांच, जीआरपी आरपीएफ की देर रात की बड़ी कार्रवाई

दो आरोपियों से पिट्ठू बैग और ट्राली में मिले 52 लाख रूपए

सुनील यादव। सिटी चीफ
कटनी, क्राइम ब्रांच जबलपुर ने जीआरपी एवं आरपीएफ के सहयोग से बीती रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। स्टेशनों एवं ट्रेनों में गश्त के दौरान दो लोगों से 52 लाख रूपए नगद जब्त किए गए हैं। मौके पर दोनों युवक रूपए के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सकें। दोनों युवकों से नगद रूपए जब्त करते हुए मामला दर्ज किया गया है। जीआरपी टीआई अरूणा वाहने एवं आरपीएफ टीआई अनिल दीक्षित ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर लागू आदर्श आचार संहिता को लेकर कटनी जंक्शन, कटनी साऊथ एवं मुड़वारा रेलवे स्टेशन में विशेष चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा था। चेकिंग के दौरान जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा संदिग्ध अवस्था में घूम रहे लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान बीती रात दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में पकडक़र पूछताछ की गई। दोनों से पूछताछ के दौरान पिट्ठू बैग और ट्राली बैग की तलाशी ली गई। जिसमे नगद रूपए मिले। नगद रूपयों के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज पेश नही करने और पूछताछ में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर ओरीपियो के विरुद्ध थाना जीआरपी में धारा 102 के तहत आरोपी हेमनारायण मिश्रा पिता स्वर्गीय राम सजीवन मिश्रा 66 साल निवासी छपरवाह वार्ड नंबर 34 थाना रंगनाथ नगर के कब्जे से 19 लाख रुपए एवं दूसरे आरोपी दुर्गेश कुमार सोनी पिता स्वर्गीय रामकुमार सोनी 45 वर्ष निवासी ग्राम हरदुआ थाना रीठी हाल जालपा वार्ड थाना कोतवाली के कब्जे से 33 लाख रुपए दोनो से कुल मसरूका 52 लाख रुपए नगद आरोपियों के कब्जे से जप्त कर वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्यवाही में आरपीएफ टीआई अनिल दीक्षित, जीआरपी कटनी टीआई अरूणा वाहने, आरपीएफ उपनिरीक्षक सौरभ माहोरे, क्राइम ब्रांच जबलपुर के उपनिरीक्षक डी के पटेल, अमित सिंह एवं आरपीएफ एवं जीआरपी स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

कटनी के बरही पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह

चुनावी सभा को करा संबोधित

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी दलों के घोटाले गिनाए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों को पाई-पाई लौटानी पड़ेगी। जिसने भी भ्रष्टाचार किया है, जिसने भी चोरी की है, उन्हें जेल जाना पड़ेगा। शाह ने इंडी अलायंस को भ्रष्टाचारियों को जमघट बताया। बरही विजयराघवगढ़ विधानसभा की एक छोटी सी तहसील है जो खुजराहों लोसाभा और शहडोल लोकसभा के साथ साथ सतना लोकसभा के बीचों बीच स्थित है इस लिए अमित शाह की विशाल जनसभा बरही नगर में रखी गई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले कटनी के बरही में चुनावी सभा को संबोधित किया। बीजेपी ने इस सीट से प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। अमित शाह ने कहा- जातिवादी और परिवारवादी पार्टियां पीएम मोदी को हराने के लिए इकट्ठे हुईं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल तक जातिवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आधार पर राज किया। मोदी ने देश से जातिवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया। यह सभा बरही में खुजराहों के भाजपा प्रत्याशी वी डी शर्मा के पक्ष में सभा की। यहां उन्होंने कहा, %प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने का काम किया है। उनको खाना पकाने के लिए गैस सिलेंडर और रहने के लिए आवास दिए हैं। अमित शाह ने मंच से यह भी कहा की परिवारवादी गठबंधन का उद्देश्य अपने बेटे, बेटी, भतीजे को सत्ता दिलाना। शरद पवार का उद्देश्य है- अपनी बेटी को मुख्यमंत्री बनाना, उद्धव ठाकरे का उद्देश्य है- अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना, स्टालिन का उद्देश्य है- अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना, बंगाल में ममता दीदी का उद्देश्य है- अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना, सोनिया गांधी का उद्देश्य है- राहुल बाबा को प्रधानमंत्री बनाना। अमित शाह ने कहा- घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का जमघट हैं। 10 साल तक सोनिया-मनमोहन ने सरकार चलाई। इस दौरान 12 लाख करोड़ का घपला किया। यहां कमलनाथ और बंटाढार ने भी कुछ बाकी नहीं रखा। मैं उनका कच्छा चिट्ठा लाया हूं। कोल ब्लॉक का घोटाला किसने किया। कॉमन वेल्थ का घोटाला किसने किया, टूजी घोटाल किसने किया, शारदा चिटफंड किसने किया, सेबों की बिक्री का घोटाल किसने किया, आईएनएस का मीडिया घोटाल किसने किया? शाह ने कई घोटाले गिनाए।

सुबह 4 बजे से गणगौर माता की बाड़ी खुलते ही, माता के ज्वारों का किया पूजन...

बालिकाओं ने जमीन पर लेटकर माता के रथ की करी आगवानी

पियूष अग्रवाल। सिटी चीफ
खरगोन, भीकनगांव नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में गणगौर पर्व का उत्साह चरम पर है गुरुवार को गणगौर माताजी की बाड़ी खुलते ही सुबह 4 बजे से पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का गणगौर माता के ज्वारों के पूजन के लिए ताता लगा रह।श्रद्धालुओं माता की बाड़ी में पूरे परिवार सहित पहुचे माता जी की बाड़ी में श्रद्धालुओं ने अपने छोटे बच्चो की तुला दान कर मान मन्नत भी उतारी। पूजन का दौर सुबह 4 बजे से 1 बजे तक चला उसके बाद श्रदालु रथ सजाकर ढोल तासे के साथ बाड़ी पहुचे यहां माता के ज्वारों को रथ में विराजमान कर महिलाएं अपने रथों के जोड़े के साथ अपने अपने घर ले गई पीठे पर गणगौर माता घर पर माता की बॉडी से लाए रथ सर पर लिए बालिकाओं द्वारा जमीन पर लेटकर रथ के जोड़े ने बालिकाओं के ऊपर से उंगाल कर घर मे रथ का प्रवेश कर माता के रथों की आगवानी की बालिकाओं ने बताया कि ऐसा करने से माता सारी मनोकामना पूरी करती है माता के रथों को भोजन प्रसादी करा इसके बाद शाम को बड़े चोरहे पर धनियर राज रनुबाई माता को पानी पिलाया गया इसके बाद अपने अपने घर ले गए रोजाना तीन दिनों तक रात्रि में भजन कीर्तन करा झालरिया गीत गाये गए आज हाउसिंग बोर्ड कालोनी द्वारा मातो की आगवानी की जाएंगी।

इंदौर की एक हाईराइज की 17 वीं मंजिल से कूदकर छात्रा ने की आत्महत्या

इंदौर। हाईराइज बिल्डिंग पिनेकल ड्रीम्स की 17वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने वाली छात्रा मुस्कान अग्रवाल का आखिरी वीडियो सामने आया है। सामान्य रुप से नजर आ रही छात्रा स्कूटर से उतरते ही उस बिल्डिंग की तरफ झांक रही थी, जिससे उसने छलांग लगाने का मन बनाया था।जिला बड़वानी की 24 वर्षीय मुस्कान अग्रवाल ने इंदौर के निपानिया स्थित पिनेकल ड्रीम्स के निर्माणाधीन ब्लाक की 16वीं मंजील से कूदकर आत्महत्या कर ली थी।जिला बड़वानी की 24 वर्षीय मुस्कान अग्रवाल ने गुरुवार को निपानिया स्थित पिनेकल ड्रीम्स के निर्माणाधीन ब्लाक (पीटी-4) से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। मुस्कान स्कीम-78 में कासाबेला नामक होस्टल में रहकर बीबीए फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रही थी। देर रात पुलिस ने टाउनशिप के परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज निकाले तो छात्रा स्कूटर से आते हुए नजर आई। छात्रा रैपिडो स्कूटर से आई थी। रैपिडो वाला सीधे पार्किंग एरिया में गया और छात्रा को उतारकर चला गया। छात्रा पैदल परिसर में आई और उसी इमारत की तरफ झांका जिससे उसने छलांग लगाई।

गार्ड ने नाम लिखने का कहा तो पिछले रास्ते से गई - जिंस और टी-शर्ट पहने हुए छात्रा एकदम सामान्य दिख रही थी। आगे जाकर गार्ड ने उससे नाम-पता विजिटर रजिस्टर में नोट करने के लिए कहा तो वह लौट गई और पिछले रास्ते से घुसी। पुलिस ने पिछले रास्ते से जाते हुए वीडियो भी जुटा लिया है।

परिवार वालों ने खुद ही निकाली अंतिम लोकेशन- मुस्कान दोपहर करीब 12 बजे होस्टल से निकली थी। 12.33 बजे पिनेकल ड्रीम्स पहुंची। रुम पार्टनर ने उसको काल लगाया लेकिन फोन रिसिव नहीं हुआ। भाई ने साइबर सेल वालों की मदद से उसकी आखिरी लोकेशन निकलवाई और पुलिस लेकर निपानिया पहुंचे। हालांकि छात्रा छलांग लगाकर सुसाइड कर चुकी थी। पुलिस अब गार्ड, रहवासी और परिचितों से पूछताछ कर रही है। फोन और लेपटाप लाक मिले हैं।

इंदौर में सिंह वाहिनी 18 भुजाधारी महालक्ष्मी की होती आराधना

इंदौर। शहर के पूर्वी क्षेत्र के एमआर-10 स्थित दिव्य शक्ति पीठ माता भक्तों के बीच आस्था का केंद्र है। यहां महालक्ष्मी, महासरस्वती और मां महाकाली की मनोहारी स्वरूप विराजित है। महालक्ष्मी सिंह वाहिनी रूप में हैं, जिनकी 18 भुजाएं हैं। एक तरफ महाकाली का विग्रह 10 भुजाओं और 10 पैरों वाला जबकि दूसरी ओर देवी सरस्वती की मूर्ति आठ भुजाओं वाली हैं। मां सरस्वती हंस पर विराजित हैं और हंस की चोंच में जाप करने वाली माला है। देवियों के संगमरमर के बने ये मनोहारी स्वरूप देखते ही बनते हैं।

इतिहास- यह मंदिर शहर के नवनिर्मित मंदिरों में शामिल है। इस मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा 2021 में हुई थी। इसके निर्माण में करीब 4 वर्ष से अधिक का समय लगा। देवियों के मंदिर के एक तरफ राधाकृष्ण तो दूसरी ओर राम दरबार है। इसके साथ ही परिसर में अर्जीवाले बालाजी, केदारेश्वर महादेव मंदिर, भगवान झूलेलाल का मंदिर, साईंनाथ और भैरव मंदिर भी है। परिसर में गोशाला बनाई गई है जिसके माध्यम से भक्त यहां गो सेवा का लाभ लेते हैं। मंदिर में सभागृह भी है जहां विभिन्न आयोजन होते हैं।

वर्षभर होते हैं हवन-अनुष्ठान

माता मंदिर में वर्षभर विभिन्न हवन अनुष्ठान होते हैं। चैत्र नवरात्र में विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। यहां प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती का पाठ हो रहा है। इसके साथ ही मंदिर परिसर में चूड़ियों से शृंगार किया गया है। अष्टमी पर कन्या पूजन और प्रसाद वितरण किया जाएगा। साथ ही 101 दीपों से आरती होगी। राम नवमी पर रामजन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसमें जन्म आरती पर फूलों की वर्षा की जाएगी। इसके अलावा तीज-त्योहारों पर भी विभिन्न आयोजन होते हैं।

यहां महालक्ष्मी, काली और मां सरस्वती के दर्शन भक्तों को होते हैं। यहां विराजमान देवी सरस्वती के स्वरूप को महासरस्वती कहा जाता है। इस रूप का वर्णन दुर्गा सप्तशती में है। दुर्गा सप्तशती के श्लोक के अनुसार शुंभ-निशुंभ दैत्यों का मर्दन करने के लिए महालक्ष्मी और महाकाली ने अपने आयुध देवी सरस्वती को दिए थे। इसके लिए उन्होंने आठ हाथ प्रकट किए।- पं. हरिओम शास्त्री, मुख्य पुजारी

यहां वर्षभर विभिन्न आयोजन होते हैं। माता की स्तुति से आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। यहां आने वाले भक्त इस बात को मानते हैं। माता के यहां विराजित मनोहारी स्वरूप के दर्शन से मन हर्षित होता है। उनके दर्शन-पूजन से भक्त की मनोकामना पूर्ण होती है। परिसर में विभिन्न सेवा गतिविधियों का संचालन हो रहा है। - राजनारायण तिवारी, भक्त

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताया दुख

महेंद्रगढ़ में ईद के दिन स्कूल बस पलटी छह बच्चों की मौत व 15 घायल

महेंद्रगढ़ (हरियाणा)। महेंद्रगढ़ के कनीना के गांव उन्हानी के पास स्कूल बस पलटने से भीषण सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में छह बच्चों की मौत हो गई और 15 गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में स्कूल बस दुर्घटना में अनेक मासूम बच्चों की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। ईश्वर शोक संतप्त माता-पिता एवं परिजनों को यह क्रूर आघात सहने की शक्ति प्रदान करें। मैं घायल हुए बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने निजी अस्पताल में पहुंच कर 12 छात्रों का हाल-चाल जाना। इस दौरान उन्होंने सीमा त्रिखा ने कहा कि निजी स्कूल संचालक व्यापार करना बंद करें। कहा कि निजी स्कूल संचालक को नियमों का पालन करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि ड्राइवर के साथ-साथ स्कूल के प्रिंसिपल व मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कहा कि ईद के अवकाश के दिन स्कूल खोलना गंभीर बात है। इसको लेकर प्रदेश के सभी शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई जाएगी। हादसे को लेकर उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन की तरफ से घायलों की हर संभव मदद

की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की निगरानी में बेहतर उपचार हो रहा है। इस साथ ही डीसी ने स्कूल प्रशासन पर कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं, बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल की मान्यता को रद्द करने के लिए लिखा है। जीएलपी स्कूल कनीना की बस गांव सेहलंग, खेड़ी-तलवाना, खरकड़ा बास, धनौंदा रूट से करीब 43 बच्चों को बैठाया था। इसके बाद करीब 8:30 बजे जब गांव उन्हाणी के नजदीक स्थित महाविद्यालय के पास पहुंची तो मोड़ पर चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया और पेड़ से टकराने के बाद बस पलट गई। कुछ प्रत्यदर्शियों का कहना है कि बस चालक शराब के नशे में था।

हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई, इसी दौरान आसपास के लोगों एवं सड़क पर दोनों ओर से आ रहे वाहन चालकों ने मौके से बच्चों को बस से निकालकर अपने वाहनों में अस्पतालों में पहुंचाया। हादसे के बाद महज आधे घंटे में ही घटना स्थल पर 300 से अधिक लोग मदद को पहुंच गए। पुलिस ने गाड़ी चालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया।

बच्चों को कनीना के एक निजी तथा उप नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चार बच्चों को मृत घोषित कर दिया जबकि हादसे के महज एक घंटे बाद ही गंभीर रूप से घायल दो बच्चों ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद मौके पर ही चार बच्चों की मौत हो गई थी। बस चालक धर्मेंद्र निवासी सेहलंग को मेडिकल के लिए नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि यक्षु, सत्यम व संदीप निवासी झाड़ली, वंश व दुष्यंत निवासी धनौंदा व युवराज की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल बच्चों को रेवाड़ी महेंद्रगढ़ में कनीना की निजी अस्पतालों में उपचार के लिए एडमिट कराया गया है।

हादसे पर पूर्व सीएम दुष्यंत चौटाला ने जताया दुख

पूर्व सीएम दुष्यंत चौटाला ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि महेंद्रगढ़ के उन्हानी गांव में स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त होने का दुखद समाचार मिला है। जिसमें बच्चों के निधन और कुछ बच्चों के घायल होने की हृदय विदारक सूचना है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने जताया दुख

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि हरियाणा के महेंद्रगढ़ में स्कूल बस का दुर्घटनाग्रस्त होना बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं मृतक बच्चों के शोक संतप्त परिजनों के साथ है। ईश्वर उन्हें यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। स्थानीय प्रशासन के द्वारा घायल बच्चों को सहायता पहुंचाई जा रही है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

एक निजी स्कूल बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से घायल हुए एक छात्र का कहना है कि ड्राइवर नशे में था और उसने स्पीड 120 कर रखी थी, जिससे संतुलन बिगड़ गया और ये बड़ा हादसा हो गया।

हरियाणा सीएम नायब सैनी ने जताया दुख

सीएम नायब सैनी ने कहा कि महेंद्रगढ़ के कनीना में स्कूल बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से आहत हूं। मेरी संवेदनाएं उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने मासूम बच्चे खोए हैं। स्थानीय प्रशासन घायलों की सहायता के लिए मुस्तैद है।सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

रेलवे ने दी जानकारी- किस कोच में कितने किलो सामान ले जाया जा सकता है, नहीं तो लगेगा जुर्माना

एसी फर्स्ट क्लास में सिर्फ 70 किलो तक का वजन मुफ्त ले जा सकते हैं यात्री

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे अपनी सेवाओं को दिनोंदिन बेहतर कर रहा है। वंदे भारत समेत कई नई ट्रेनों को चलाया जा रहा है, साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर मिल सके, इसके लिए भी कोशिशें की जा रही हैं। ट्रेन से यात्रा करने वाले लोग अपने साथ भारी भरकम सामान भी लेकर जाते रहते हैं। लेकिन अब ट्रेन में तय लिमिट में ही सामान ले जा सकते हैं। इसके लिए रेलवे ने किस कोच में कितने किलो सामान ले जाया जा सकता है, उसके बारे में जानकारी दी है। यदि तय लिमिट को कोई क्रॉस करता है तो उसे जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। रेलवे नियम के अनुसार, एसी फर्स्ट क्लास में यात्री 70 किलो तक का वजन वाला सामान फ्री में ले जा सकते हैं, जबकि एसी 2 टियर में 50 किलो तक का भार ले जा सकते हैं। इसके अलावा एसी 3 टियर या चेयर कार में 40 किलो तक का सामान फ्री में ले जा सकते हैं। स्लीपर क्लास की बात करें तो इसमें यात्री अपने टिकट के साथ 40 किलो तक के भार को अपने साथ रख सकते हैं। सेकंड क्लास

में यह लिमिट 35 किलो है। भारतीय रेलवे के अनुसार, ट्रंक, सूटकेस और बक्से जिनका बाहरी मेजरमेंट 100 सेमी गुना 60 सेमी गुना 25 सेमी (लंबाई गुना चौड़ाई गुना ऊंचाई) हो, उसे सामान के रूप में यात्री डिब्बों में ले जाने की अनुमति होती है। यदि ट्रंक, सूटकेस और बक्से का मेजरमेंट तय लिमिट से अधिक है तो फिर ऐसी वस्तुओं को बुक किया जाना चाहिए और ब्रेक वैन में ले जाया जाना चाहिए, न कि यात्रियों के डिब्बे में।

इसके अलावा, एसी-3 टायर और एसी चेयर कार डिब्बे में ले जाने योग्य ट्रंक/सूटकेस का अधिकतम साइज 55 सेमी गुना 45 सेमी गुना 22.5 सेमी ही होना चाहिए। वहीं, यात्रियों को ट्रेन में कई चीजें ले जाने पर बैन लगा हुआ है। इसमें कैमिकल, पटाखे, गैस सिलेंडर, तेजाब, ग्रीस, चमड़ा आदि शामिल है। यदि कोई यात्री इन प्रतिबंधित वस्तुओं के साथ यात्रा करते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ धारा 164 के तहत कड़ा ऐक्शन लिया जा सकता है।

चुनाव आयोग को भेजे पत्र में ईडी का दावा

माकपा के पास 80 अघोषित बैंक खाते, 100 अघोषित अचल संपत्तियां

तिरुवनंतपुरम। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पास लगभग 80 अघोषित बैंक खाते हैं। इसके अलावा त्रिशूर में माकपा की करीब 100 अघोषित अचल संपत्तियां हैं। यह दावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निर्वाचन आयोग को भेजे गए अपने पत्र में किया है। ईडी के आधिकारिक सूत्रों द्वारा जानकारी दी गई कि मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित जांच में यह बात सामने आई है। जांच एजेंसी का कहना है कि त्रिशूर स्थित करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक से संबंधित जांच के दौरान इन संपत्तियों का पता चला। इसे लेकर ईडी द्वारा माकपा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री ए. सी. मोइदीन से पूछताछ की गई। एजेंसी ने निर्वाचन आयोग को इस बात की जानकारी दी है पार्टी के करीब 80 अघोषित बैंक खाते हैं, जिनमें करीब 25 करोड़ रुपये जमा हैं। ईडी का दावा है कि इन बैंक खातों में मिली जमा राशि अधिकतर नकदी के रूप में भेजी गई थी। ईडी ने यह भी बताया कि सत्तारूढ़ पार्टी के पास त्रिशूर जिले में कार्यालय भवनों के रूप में लगभग 100 अघोषित अचल

संपत्तियां हैं। एंजेसी ने चुनाव आयोग को बताया कि इन बैंक खातों और कार्यालयों का इस्तेमाल माकपा द्वारा राजनीतिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

प्रवर्तन निदेशालय को इस बात का भी शक

प्रवर्तन निदेशालय ने आशंका जताई है कि इन चल और अचल संपत्तियों की जानकारी माकपा द्वारा नियमों के अनुसार निर्वाचन आयोग और आयकर विभाग को नहीं दी गई। इस बात का भी संदेह है कि पार्टी के पास राज्य के कुछ अन्य जिलों में भी ऐसी संपत्ति है। सूत्रों के अनुसार चुनाव आयोग ने आयकर विभाग के प्रशासनिक प्राधिकरण केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को इन आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है।

बीते साल नवंबर महीने में करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच के तहत कुल 55 आरोपी संस्थाओं के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दायर आरोप पत्र में अदालत को बताया था कि उसने इस मामले में अब तक लगभग 100 करोड़ रुपये की 120 से अधिक संपत्तियां कुर्क की हैं। त्रिशूर में केरल पुलिस की अपराध शाखा द्वारा दर्ज की गई 16 प्राथमिकियों के बाद धनशोधन के मामले ने तूल पकड़ा था।

मणिपुर में हो रहा बीएसएफ सीआरपीएफ हटाने का विरोध

नई दिल्ली। मणिपुर के लोगों ने देश के दो बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल, सीआरपीएफ और बीएसएफ को ड्यूटी से हटाने का विरोध किया है। पिछले दो-तीन दिन के दौरान मणिपुर में कई जगहों पर ऐसे विरोध-प्रदर्शन देखने को मिले हैं, जहां स्थानीय लोगों ने केंद्रीय बलों की वापसी के खिलाफ धरना दिया है। हिंसाग्रस्त इलाकों के लोगों का कहना है कि वे इन बलों को वापस नहीं जाने देंगे। इन्होंने वहां पर शांति स्थापना में अहम योगदान दिया है। अगर ये बल यहां से जाते हैं, तो वे दोबारा से असुरक्षित हो जाएंगे। दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की भारी मांग है। सुरक्षा बलों के अधिकारियों का चुनावी ड्यूटी के लिए जवानों की तय नफरी को पूरा करने में पसीना छूट रहा है। मणिपुर से हटाई जा रही केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 100 कंपनियों को पश्चिम बंगाल एवं दूसरे राज्यों में भेजा जाएगा। जानकारों का कहना है, मणिपुर से सीएपीएफ को हटाना, जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। अभी मणिपुर में शांति बहाल नहीं हुई है।

सीएपीएफ की 100 कंपनियों को चुनावी ड्यूटी पर लगाया

मणिपुर से लगभग 5,000 केंद्रीय बलों (सीएपीएफ) के जवानों को वहां से वापस बुलाने का आदेश जारी हुआ है। इस आदेश को दो केंद्रीय बल, सीआरपीएफ और बीएसएफ के अधिकारियों के साथ साझा किया गया है। सीएपीएफ की 100 कंपनियों को चुनावी ड्यूटी पर भेजा जा रहा है। पिछले साल तीन मई से मणिपुर में हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, वह अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। वहां पर दो समुदायों के बीच आज भी तनाव देखा जा रहा है। केंद्रीय बलों की तैनाती से वहां के लोगों

में विश्वास पनपा था। वे खुद को सुरक्षित महसूस करने लगे थे। अब एकाएक मणिपुर से बीएसएफ और सीआरपीएफ की सौ कंपनियों को बाहर निकालने का आदेश जारी किया गया है।

लोगों ने किया बीएसएफ के जाने का विरोध

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दिखाया गया है कि मणिपुर में रात के समय लोगों ने बीएसएफ को वहां से हटाने का जोरदार विरोध किया है। लोगों द्वारा जाने नहीं देंगे के नारे लगाए जा रहे थे। यह मामला सीमा सुरक्षा बल की 65वीं बटालियन से जुड़ा बताया जा रहा है। लोगों ने कहा, बीएसएफ ने हमें सुरक्षा दी, सहारा दिया है। हम बीएसएफ को यहां से जाने नहीं देंगे। अगर ये लोग यहां से चले गए, तो हमारी सुरक्षा कौन करेगा। हम असुरक्षित हो जाएंगे। एक ऐसा ही वीडियो, सीआरपीएफ की ए/214 बटालियन की कंपनी का भी देखने को मिला है। इस कंपनी को मणिपुर से पश्चिम बंगाल में चुनावी ड्यूटी के लिए रवाना होने का आदेश मिला था। दस अप्रैल को दीमापुर से एक स्पेशल ट्रेन के जरिए, इस कंपनी की रवानगी होनी थी। जैसे ही लोगों को यह बात पता चली कि यह कंपनी जा रही है, तो उन्होंने विरोध करना शुरू कर दिया। जिस जगह पर कंपनी को ठहराया गया था, गांव की महिलाओं ने उस परिसर के मुख्य गेट पर धरना देना शुरू कर दिया। महिलाओं का कहना था कि उन्हें छोड़कर न जाएं। अगर जाओगे, तो हमारे ऊपर से गाड़ी लेकर निकल जाओ।

1.04 करोड़ के गबन में रियल एस्टेट कारोबारी को सजा-ए-मौत

हनोई। वियतनाम की रियल एस्टेट दिग्गज ट्रूंग माई लैन को धोखाधड़ी और गबन के मामले में मौत की सजा सुनाई गई है। यह वियतनाम का अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय धोखाधड़ी मामला है। हो ची मिन्ह शहर की एक अदालत ने रियल एस्टेट कारोबारी लैन को बृहस्पतिवार को मौत की सजा सुनाई। सरकारी मीडिया थान नियेन ने यह जानकारी दी। रियल एस्टेट कंपनी वान थिन्ह फैट की 67 वर्षीय अध्यक्ष पर 12.5 अरब डॉलर की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था, जो देश की 2022 की जीडीपी का लगभग तीन प्रतिशत है। लैन ने 2012 से 2022 के बीच साइगॉन ज्वाइंट स्टॉक कमर्शियल बैंक पर अवैध रूप से नियंत्रण किया ताकि हजारों मुखौटा कंपनियों की आड़ में धन का गबन किया जा सके। लैन को अक्टूबर 2022 में गिरफ्तार किया गया था। लैन पर एक दशक से भी अधिक समय तक साइगॉन कमर्शियल बैंक (एससीबी) से नकदी ठगने का आरोप लगाया गया था। उसके सह-आरोपियों की सूची में पूर्व केंद्रीय बैंकर, पूर्व सरकारी अधिकारी और पिछले एससीबी अधिकारी शामिल हैं। लैन पर लगे आरोपों में रिश्वतखोरी, सत्ता का दुरुपयोग और बैंकिंग कानून का उल्लंघन शामिल है। हालांकि, लैन ने आरोपों से इनकार किया था और अपने अधीनस्थों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया था लेकिन अभियोजकों ने उसकी बात से इनकार करते हुए लैन के लिए मृत्युदंड की मांग की, जो ऐसे मामलों में एक दुर्लभ कदम है। लैन वियतनाम में सरकारी हस्तियों और व्यापारिक नेताओं को निशाना बनाने वाले राष्ट्रव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में गिरफ्तार किए गए 85 व्यक्तियों में से एक थीं।

पूर्व प्रधानमंत्री ने जताई आशंका : नकदी संकट से जूझ रहे देश में मौजूदा हालात के परिणामस्वरूप ठप पड़ सकती है अर्थव्यवस्था

इमरान को सताने लगा पाकिस्तान के टुकड़े होने का डर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान फिर से 1971 की तरह टूटने की कगार पर है? पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने कुछ ऐसा ही दावा किया है। पीटीआई नेता इमरान ने आशंका जाहिर की है कि नकदी संकट से जूझ रहे देश में मौजूदा हालात के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था ठप पड़ सकती है। इमरान खान ने अंदेशा जताया कि पाकिस्तान के जो मौजूदा हालात हैं, उस स्थिति में देश एक बार फिर से ध्वस्त होने के कगार पर जा रहा है। उन्होंने कहा कि 1971 का ढाका संकट ऐसे ही आया था। उन्होंने देश की सरकार और संस्थानों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी देश की स्थिरता के लिए जरूरी है

अर्थव्यवस्था मजबूत हो। अदियाला जेल में इमरान खान से मुलाकात के बाद पीटीआई के नेताओं ने उनका संदेश देश की जनता के लिए जारी किया। इस संदेश में कहा गया है कि पाकिस्तान के लोगों के लिए इमरान खान चिंतित हैं। मौजूदा हालातो में पाकिस्तान के संस्थानों के खतरा है ऐसे में 1971 जैसी ढाका ट्रेजडी हो सकती है। पीटीआई के नेता सलमान अकरम रजा, शोएब शाहीन और इंतजार पंजुठा ने इमरान का संदेश पढ़ते हुए कहा, आप जब जनता को अधिकार नहीं देते हैं तो अर्थव्यवस्था सुधर नहीं पाती। 1970 में सेना प्रमुख याहया खान चाहते थे कि किसी को सत्ता न मिले। लेकिन जब शेख मुजीबुर रहमान की पार्टी को बहुमत मिला तो सेना ने धोखाधड़ी कर उपचुनाव करा दिया। इसमें अवामी लीग की 80 सीटें छीन ली गईं क्योंकि याा खान राष्ट्रपति बनना चाहते थे। इमरान खान ने अपने संदेश में कहा, मैं हमूदुर रहमान कमिशन की रिपोर्ट की याद दिलाना चाहता हूं कि हम फिर से वही गलतियां दोहराने जा रहे हैं जो हमने अतीत में की थीं। 1970 में लंदन प्लान था और आज फिर से लंदन प्लान के जरिए एक सरकारी थोपी गई है। इस बीच इमरान खान ने एक और संकेत दिया कि वह सेना से बातचीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि देश के हितों के लिए यह जरूरी है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में इस बात के भी कयास लग रहे हैं कि सेना से इमरान खान एक डील के करीब हैं और उनकी अगले महीने तक रिहाई हो सकती है।

लंदन में 11 भारतीय नागरिक समेत 12 लोग गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन के आव्रजन अधिकारियों ने वीजा शर्तों का उल्लंघन करने और केक फैक्ट्री में अवैध रूप से काम करने के संदेह में की गई छापेमारी में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, गौरतलब है कि आरोपियों में से 11 भारतीय नागरिक हैं।

उल्लंघन के संदेह के चलते कई 12 लोगों पर गिरी गाज

बुधवार को ब्रिटेन के होम ऑफिस के एक बयान के मुताबिक, आव्रजन प्रवर्तन अधिकारी इंग्लैड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में खुफिया सूचना के बाद की गई कार्रवाई में पाया गया कि वहां अवैध रूप से काम हो रहा था। गृह कार्यालय के मुताबिक, वहां अवैध रूप से काम करने के संदेह में सात भारतीय

नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं पास में स्थित एक केक फैक्ट्री से चार भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, उन्हें अपनी वीजा शर्तों का उल्लंघन करते हुए पाया गया। इसके बाद एक भारतीय महिला को एक निजी घर में आव्रजन अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया है। गृह कार्यालय के मुताबिक, दोपहर बाद भी मामले में आगे की कार्रवाई की गई। गृह कार्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने कहा

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569